18 अगस्त 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

निषाद टोला में लोहसर पोखरे डूबने से 13 वर्षीय किशोरी की मौत, पसरा मातम

2

वोट चोरी और एसआईआर समेत तमाम मुद्दों पर चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया जवाब

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव में धांधली और मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग रविवार (17 अगस्त) को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं के आरोपों के जवाब दिए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर डॉक्टर विवेक जोशी, इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधु, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संजय कुमार, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मंगेश गर्ग, डायरेक्ट जनरल आशीष गोयल और डिप्टी डायरेक्टर जनरल विजय कुमार पांडे शामिल थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को सात दिन का समय देते हुए आरोपों पर सबूत मांगे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 7 दिन के अंदर हलफनामा दें या देश से माफी मांगें। ऐसा नहीं करने पर उनके सभी आरोपों को निराधार माना जाएगा।

संगीन आरोपों के लिए हलफनामा दें राहुल

चुनाव आयोग की तरफ से कहा गया कि राहुल गांधी सात दिन के अंदर हलफनामा दें या देश से माफी मांगें। ऐसा नहीं करने पर उनके सभी आरोपों को निराधार माना जाएगा।

राजनीतिक दल गलतियां बताएं, हम सुधारेंगे : चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि एक सितंबर तक सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में गलतियां बताएं। इसमें सुधार किया जाएगा। अभी भी सभी राजनीतिक दलों के पास 15 दिन का समय है, जिसमें वह मतदाता सूची में सुधार करने में अपना योगदान दे सकते हैं। 1 सितंबर के बाद इसमें बदलाव नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी से क्यों मांगा शपथ पत्र?

राहुल गांधी से शपथ पत्र मांगे जाने के सवाल पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि नियम के अनुसार अगर कोई व्यक्ति जो उस विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र का मतदाता नहीं है, उसे तय अवधि (45 दिन) के बाद शिकायत करनी है तो उसे संबंधित अधिकारी के साथ शपथ पत्र देना होता है।

हलफनामा देने की बात गलत

अखिलेश यादव और बीजेडी की तरफ से कहा गया कि उन्होंने हलफनामा देकर शिकायत की थी, लेकिन उनकी शिकायत का समाधान नहीं हुआ। इस पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव हारने के बाद पत्र लिखकर मतदाता सूची पर सवाल उठाना उचित नहीं है। हलफनामा देने की बात गलत है। इस मामले में जवाब जिला स्तर पर विचाराधीन है। समय से पहले इस पर बात करना त्रुटिपूर्ण हो सकता है और नियमों के खिलाफ भी होगा।

एसआईआर में हड़बड़ी क्यों?

बिहार चुनाव से पहले हड़बड़ी में रक्ककराने के सवाल पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि मतदाता सूची में सुधार की जरूरत चुनाव से पहले होती है, न की चुनाव के बाद। ऐसा वह नहीं कह रहे हैं। ऐसा राजनीतिक दलों के नेता कह रहे हैं। बिहार में बाढ़ जैसी चुनौतियों के बावजूद सभी लोगों के फॉर्म वापस आ चुके हैं।

मशीन रीडेबल सूची क्यों नहीं जारी की?

मशीन रीडेबल सूची न अपलोड किए जाने के सवाल पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वीकार किया था कि मशीन रीडेबल लिस्ट से मतदाता की निजता का हनन होता है। इसी वजह से इसे हटाया गया है और 2019 से ही ऐसा चला आ रहा है।

पश्चिम बंगाल में कब होगा एसआईआर?

पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सवाल पूछे जाने पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग के तीनों कमिश्नर मिलकर यह तय करेंगे कि पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों में रक्ककब होना है।

1.6 लाख बीएलओ ने तैयारी की सूची, चोरी कैसे संभव

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में एसआईआर की शुरूआत हो चुकी है। 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) ने एक मसौदा सूची तैयार की है। चूंकि यह मसौदा सूची हर बूथ पर तैयार की जा रही थी, इसलिए सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों ने अपने हस्ताक्षरों से इसे सत्यापित किया। मतदाताओं ने कुल 28,370 दावे और आपत्तियां प्रस्तुत की हैं। जब इतने सारे लोग किसी प्रक्रिया में शामिल हैं तो वोट की चोरी कैसे संभव है।

एसअरईआर के नाम पर भ्रम फैला रहे

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर के नाम पर भ्रम फैलाया जा रहा है। जिस मतदाता सूची को सभी राजनीतिक दल के बीएलओ सत्यापित करते हैं, उसी सूची में राष्ट्रीय स्तर के नेता सवाल उठाते हैं। शायद स्थानीय बीएलओ की बातें शीर्ष नेताओं तक नहीं पहुंच रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर को प्रधानमंत्री मोदी ने दी बड़ी सौगात

दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II के नए सेक्शन का किया उद्घाटन

- दो घंटे का सफर अब 40 मिनट में होगा पूरा
- 10 कीमी से ज्यादा लंबा है दिल्ली वाला हिस्सा
- अब मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (17 अगस्त 2025) देश की राजधानी दिल्ली में दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और शहरी विस्तार सड़क-क्क (वएफ-क्क) का उद्घाटन किया. इस दौरान पीएम मोदी ने रोहिणी में रोड शो भी किया. इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे. करीब 11,000 करोड़ रुपये की लागत से बनी ये परियोजनाएं दिल्ली-एनसीआर की यातायात समस्या को कम करने में अहम भूमिका निभाएंगी. वएफ-क्क प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद दिल्ली से गुजरने वाले लाखों लोगों की ज़िंदगी आसान हो जाएगी. पहले सिंघु बॉर्डर से द्वारका एक्सप्रेसवे तक की दूरी तय करने में लगभग ढाई घंटे लगते थे. अब यह सफर केवल 40 मिनट में पूरा होगा. रोजाना दिल्ली में प्रवेश करने वाले करीब 3 लाख वाहनों को शहर के अंदर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी. इससे न सिर्फ दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक जाम कम होगा बल्कि प्रदूषण और समय की बचत भी होगी. पूर्व की आप और कांग्रेस सरकार पर किया प्रहार। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा की सरकार बनी है. लंबे समय तक, हम सत्ता के आस-पास भी नहीं थे. हम देख सकते हैं कि पिछली सरकारों ने दिल्ली को कैसे बर्बाद किया और उसे कितने गहरे गड्ढे में धकेल दिया. मैं जानता हूं कि नई भाजपा सरकार के लिए दिल्ली को अतीत की परेशानियों से बाहर निकालना कितना मुश्किल है. पहले, उस गड्ढे को भरने में ही बहुत मेहनत लगेगी, और उसके बाद ही प्रगति दिखाई देगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली सेक्शन

10.1 किलोमीटर लंबे दिल्ली सेक्शन को बनाने में लगभग 5,360 करोड़ रुपये की लागत आई है. यह हिस्सा शिव मूर्ति चौक से द्वारका सेक्टर-21 और फिर वहां से दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर तक फैला है. इस सेक्शन की खासियत है इसमें यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, डीएमआरसी की ब्लू और ऑरेंज लाइन है. वहीं आने वाला बिजवासन रेलवे स्टेशन और द्वारका क्लस्टर बस डिपो को आपस में जोड़ते हुए यह मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी का बेहतरीन उदाहरण है।

दिल्ली-एनसीआर के लिए गेम-चेंजर

सरकार का दावा है कि ये दोनों परियोजनाएं दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए गेम-चेंजर साबित होंगी. द्वारका एक्सप्रेसवे यात्रियों के लिए राहत का बड़ा साधन बनेगा. वएफ-क्कदिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों से ट्रैफिक का दबाव कम करेगा. इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और दिल्ली-हरियाणा कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

पूर्व की आप और कांग्रेस सरकार पर किया प्रहार

पीएम मोदी ने इस अवसर दिल्ली की पूर्ववर्ती सरकारों पर भी करारा प्रहार करते हुए कहा कि एक समय था कि दिल्ली और हरियाणा में विकास करने के बजाय यहां की सरकारें दोनों राज्यों में विवाद करवाती थीं। आरोप तो यहां तक लगाए गए कि हरियाणा में दिल्ली के पानी में जहर मिलाया जाता है। उन सरकारों ने अतीत में दिल्ली में कोई काम नहीं किया। इस कारण यहां विकास कार्य करने में समय लगेगा क्योंकि पहले उनके बनाए गड्ढे भरने में समय जा रहा है।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में तय हुआ नाम, महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति कैंडिडेट

- 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

झारखंड के पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति पद प्रत्याशी होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। राज्यपाल के तौर पर उनके पास लंबा प्रशासनिक अनुभव रहा है। बता दें कि जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से ये पद खाली हुआ है। 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया था।एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे एनडीए साथियों के साथ भी गहन रूप से चर्चा हुई। इसके बाद आज मुझे बताते हुए ये खुशी हो रही है और आपको ये खुशखबरी देना चाहते हैं कि संसदीय बोर्ड की बैठक में जिसका नेतृत्व पीएम मोदी ने किया। इस दौरान सभी पहलुओं पर चर्चा हुई और कई नामों पर मंथन किया गया, सुझाव भी मांगे गए और इसके बाद फिर तय हुआ कि हमारे उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी के रूप में हमारे महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए का प्रत्याशी बनाएंगे।

मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, इलाके में मचा हड़कंप

एजेंसी/नई दिल्ली

बिग बॉस विनर, फेमस यूट्यूबर और एक्टर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर पर तड़के करीब 5:30 से 6 बजे के बीच भयंकर फायरिंग की घटना हुई। बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने घर के पास ताबड़तोड़ दो दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं और फिर मौके से फरार हो गए। इस अचानक हुई वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोग दहशत में आ गए।एल्विश यादव, जो कि यूट्यूब व्लॉग्स, रोस्ट वीडियो और सोशल मीडिया एक्टिविटी के लिए बड़े पैमाने पर प्रसिद्ध हैं, इस हमले के बाद चर्चा में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए और जांच में जुट गए। पुलिस ने घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की ताकि उनकी सुरक्षा की स्थिति का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में होनी थी ये बैठक, रीशेड्यूल होने की है संभावना

अमेरिकी ट्रेड डील टीम का रद्द हुआ भारत दौरा

एजेंसी/नई दिल्ली

ट्रेड डील को लेकर भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित छठे दौर की व्यापारिक वार्ता, जो 25 से 29 अगस्त को नई दिल्ली में होनी थी। उसे स्थगित कर दिया गया है। सूत्र के अनुसार, दोनों देशों के बीच अगले दौर की ट्रेड डील के लिए अमेरिकी व्यापार दल का भारत दौरा पुनर्निर्धारित होने की संभावना है। अमेरिकी दल छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त को भारत आने वाला था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी यात्रा रद्द कर दी है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर अनिश्चितता बढ़ गई है। इसका कारण अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लागू करना है, जिसमें 25% टैरिफ 7 अगस्त से और अतिरिक्त 25% रूस से तेल खरीदने की सजा के रूप में 27 अगस्त से प्रभावी होगा। टीम को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाना था, जो कि इस समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल आयात पर भारतीय वस्तुओं पर 25 शुल्क लगाने की घोषणा की है, जो कि पहले लगाए गए 25 टैरिफ के अतिरिक्त है।

27 अगस्त के आसपास होनी थी ये बैठक

यह वार्ता अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर छठे दौर की वार्ता होती और इसका समय भी महत्वपूर्ण था। क्योंकि यह 27 अगस्त के आसपास होनी थी, जब अतिरिक्त 25 टैरिफ लागू होने वाला था। यह वार्ता सितंबर-अक्टूबर की समय-सीमा से पहले हो रही थी, जिसे समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लक्षित किया जा रहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि वार्ता का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किये जाने की पूरी संभावना है।

डुमरांव में शुरू हुआ रवि उज्ज्वल का जनता एग्रीमेंट पदयात्रा

वादा खिलाफी की राजनीति नहीं करूंगा : रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा के राजनीतिक समीकरण इन दिनों नए रंग में ढलते दिखाई दे रहे हैं। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 17 अगस्त को डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी रवि उज्ज्वल कुशवाहा के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में जनता एग्रीमेंट पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा की सबसे खास बात यह रही कि नेताओं के पारंपरिक वादों के विपरीत उज्ज्वल ने जनता से लिखित एग्रीमेंट कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

अनुसूचित बस्तियों से हुई पदयात्रा की शुरूआत

यह यात्रा पुराना भोजपुर स्थित वार्ड संख्या 1, 2, 11, 12 और 13 के अनुसूचित जाति बस्तियों से प्रारंभ हुई। यहां से रवि उज्ज्वल ने आम लोगों से संवाद करते हुए कहा कि राजनीति में सिर्फ वादे और जुमलेबाजी से जनता का भला नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं को समयबद्ध तरीके से हल करना ही असली सेवा है। यात्रा आगे बढ़ते हुए नगर के विभिन्न वार्डों से गुजरती रही और हर जगह लोगों से लिखित जनता एग्रीमेंट किया गया। सभा को संबोधित करते हुए रवि उज्ज्वल ने कहा कि हम झूठे वादों पर भरोसा नहीं करते। जनता से लिखित एग्रीमेंट कर रहे हैं कि यदि चुनाव जीतने के बाद चार साल छह माह के भीतर समस्याओं का निदान नहीं हुआ तो मैं आजीवन किसी भी प्रकार का चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने आगे कहा कि जनता का जो समर्थन मिल रहा है, वह दिल से है और यही विश्वास उन्हें राजनीतिक लड़ाई में मजबूती प्रदान करता है।

महिलाओं की भारी भागीदारी

पदयात्रा की एक और अहम झलक रही महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति। बड़ी संख्या में महिलाएं इस यात्रा में शामिल हुईं और स्थानीय समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। इससे यह साफ झलक रहा था कि केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी इस अभियान से गहरी उम्मीदें लगाए हुए हैं।

स्थानीय नेतृत्व भी रहा साथ

इस पदयात्रा में रवि उज्ज्वल अकेले नहीं थे। उनके साथ जदयू के कई स्थानीय नेता और समाजसेवी कंधे से कंधा मिलाकर चले। इनमें जदयू डमरांव के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष डुमरांव बीरेन्द्र कुशवाहा, मिथिलेश कुशवाहा, सत्यनारायण ठाकुर, रामावती देवी, सुरेश राम, प्रदीप राम, ललित रंजन, रमेश राम, ओम प्रकाश शर्मा, लक्ष्मण राम, काशीनाथ राम, लक्ष्मीनीया देवी, गोरख कुशवाहा, विर बहादुर कुशवाहा, अनिल रजक, मुनरी देवी, और भीम सिंह कुशवाहा समेत अन्य कई चेहरे मौजूद थे।

जनता के मुद्दों पर केंद्रित राजनीति

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस तरह का लिखित एग्रीमेंट मॉडल डुमरांव की राजनीति में नई दिशा दे सकता है। अब तक जनता ने नेताओं से केवल वादे सुने थे, लेकिन लिखित में गारंटी देने का यह तरीका मतदाताओं में भरोसा पैदा करने वाला कदम माना जा रहा है। खासकर अनुसूचित जाति बस्तियों से यात्रा की शुरूआत करना यह संकेत देता है कि रवि उज्ज्वल अपने राजनीतिक एजेंडे में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता देना चाहते हैं। डुमरांव की सियासत में यह पदयात्रा एक नई बहस को जन्म देती है, क्या लिखित एग्रीमेंट जैसी पहल से मतदाताओं का विश्वास और गहरा होगा, फिलहाल इतना तय है कि रवि उज्ज्वल की यह ह्यजनता एग्रीमेंट पदयात्राह्न लोगों के बीच चर्चा का विषय बन चुकी है और आने वाले चुनाव में इसका असर जरूर देखने को मिलेगा।

निषाद टोला में लोहसर पोखरे डूबने से 13 वर्षीय किशोरी की मौत, पसरा मातम

- घरवालों के साथ खेती का काम निपटा तालाब पर नहाने के दौरान हुआ हादसा
- दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीण गोताखोरों ने निकाला शव

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार की सुबह डुमरांव प्रखंड के नया भोजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निषाद टोला के पास स्थित लोहसर पोखरा डूबने से 13 साल की एक मासूम की मौत हो गई। मृतका की पहचान स्थानीय गांव निवासी व टेम्पो चालक धनजी चौधरी की पुत्री अंशु कुमारी के रूप में हुई है। इस घटना से पूरा परिवार बदहवास हो गया है। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंची नया भोजपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजी। जानकारी के मुताबिक, रविवार की सुबह करीब 8 बजे अंशु खेत में सोहनी करने गई थी। काम करने के बाद जब उसके कपड़े मिट्टी से सने हुए थे, तो वह नहाने के लिए पास के लोहसर पोखरा में चली गई। ग्रामीणों के अनुसार, अक्सर गांव के बच्चे काम के बाद पोखरे में स्नान करने जाते हैं। लेकिन इस बार यह स्नान एक मासूम की जिंदगी पर भारी पड़ गया। नहाने के दौरान ही वह गहरे पानी में चली गई, जिस कारण उसकी मौत हो गई। कुछ देर के बाद जब स्वजन अंशु की तलाश करने लगे तो उसका कही पता नहीं चल सका। वह न तो खेत पर दिखी और न ही घर आई थी। इसके बाद स्वजन तालाब के पास पहुंचे, जहां तलाब किनारे उसके कपड़े मिले, जिससे उसके डूबने की आशंका हुई तथा ग्रामीण गोताखोरों के सहारे शव की तलाश शुरू करवाई गई। इधर, घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस सदल बल मौके पर पहुंची तथा शव की तलाश शुरू करवाई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद अंशु का शव पानी से बाहर निकाला गया।

उस समय का मंजर बेहद हृदयविदारक था। अंशु की मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव की महिलाएं भी उसकी मां को ढांढ़स बंधाने में खुद बेसुध हो रही थीं। पूरे गांव का माहौल मातमी सन्नाटे में बदल गया।

प्रशासन ने दिखाई तत्परता

घटना की जानकारी मिलते ही नया भोजपुर थाने के अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार और अंचल अधिकारी (सीओ) कुमार दिनेश मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। सीओ ने परिजनों से मिलकर संवेदना जताई और कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ग्रामीणों को बच्चों पर नजर बनाए रखने की आवश्यकता है।

गमगीन हुआ गांव का माहौल

अंशु की मौत से पूरा निषाद टोला शोकाकुल है। रविवार को किसी घर में चूल्हा नहीं जला। लोग परिवार को ढांढ़स बंधाने पहुंचते रहे। पिता धनजी चौधरी अपनी बेटी के असमय चले जाने से बदहवास हो गए थे।

असमय बुझ गई जिंदगी

अंशु अभी स्कूल की पढ़ाई कर रही थी और घर के काम में भी हाथ बंटाती थी। पड़ोसी बताते हैं कि वह हंसमुख और मिलनसार स्वभाव की थी। उसकी अचानक हुई मौत से गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लोहसर पोखरा समेत कई जलाशय बरसात के दिनों में और भी गहरे हो जाते हैं। बच्चों और महिलाओं का यहां नहाना अक्सर खतरनाक साबित होता है। ग्रामीणों का कहना है कि पोखरे के किनारे सुरक्षा इंतजाम या चेतावनी बोर्ड नहीं लगे हैं, जिस कारण ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।

एक नजर

अमरावती ऑटो सर्विस में भारत पेट्रोलियम ने लगाया हेल्थ चेकअप कैंप

नावानगर। अमरावती ऑटो सर्विस सोनवर्षा के प्रांगण में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मां विंध्यवासिनी हॉस्पिटल सोनवर्षा के चिकित्सक डॉक्टर जितेंद्र कुमार ने पंप पर आए सभी ग्राहकों और उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। कंपनी की ओर से डॉक्टर को सम्मानस्वरूप छाता एवं गमछा प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस पहल की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आम जनता के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं और कंपनी के सामाजिक उत्तरदायित्व को भी दर्शाते हैं। मौके पर भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के एरिया सेल्स ऑफिसर के.सी. प्रधान, एरिया कार्ड इंचार्ज दामोदर शर्मा, पंप मैनेजर मिलन सिंह एवं सुभाष यादव समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

फल की दुकान की आड़ में शराब का कारोबार, पुलिस ने किया भंडाफोड़

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए फल की दुकान की आड़ में चल रहे शराब कारोबार का खुलासा किया। इस दौरान पुलिस ने मौके से अंग्रेजी शराब बरामद कर दुकानदार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तेतरहर बिंद टोली निवासी मुन्ना बिंद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मुन्ना बिंद सिकरौल लख स्थित अपनी फल की दुकान से लंबे समय से गुप्त रूप से अंग्रेजी शराब बेच रहा था। पुलिस को इसकी गुप्त सूचना मिली थी कि फल बिक्री की आड़ में शराब का अवैध धंधा हो रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान से 180 एमएल की 8 पीएम अंग्रेजी शराब की छह बोतलें बरामद की गईं। हालांकि पुलिस को शक है कि इसके पास और बड़ी मात्रा में शराब की खेप होती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मुन्ना बिंद लंबे समय से युवाओं को शराब उपलब्ध करा रहा था, जिससे क्षेत्र में नकारात्मक माहौल बन गया था। पुलिस की कार्रवाई के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन की सराहना की। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा शराब सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी है।

जन्माष्टमी के अवसर पर ठाकुरबाड़ी में आयोजित हुआ भजन-कीर्तन

केसठ। प्रखंड के रामपुर पुरब मोहल्ला स्थित ठाकुरबाड़ी में जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार की रात्रि भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शुरूआत में कीर्तन का दौर चला, जिसके बाद भजन आरंभ हुआ। कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित विभिन्न भजनों को हारमोनियम, नाल, झाल सहित अन्य वाद्ययंत्रों की संगति में प्रस्तुत किया। वातावरण भक्तिमय हो उठा। ग्रामीणों ने बताया कि इस मंदिर में हर वर्ष जन्माष्टमी पर ऐसा आयोजन होता है। इसमें जहां युवा उत्साह के साथ शामिल होते हैं, वहीं बुजुर्ग पारंपरिक धुनों पर भजन प्रस्तुत करते हैं। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अवसर पर विशेष आरती की गई। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने सोहर और अन्य गीतों का आनंद लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व अत्री कुमार पांडेय ने किया, जिसमें पूरे गांव का सहयोग रहा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (यूके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरुण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमराँव

बाइक सवार को बचाने में पलटी स्कॉर्पियो बाल-बाल बची चालक की जान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर टेढ़की पुल के समीप रविवार को एक बाइक चालक को बचाने के प्रयास में एक स्कॉर्पियो असंतुलित हो सड़क किनारे चाट में पलट गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। समय पर एअरबैग खुलने से चालक की जान बच गई।

इस घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच में जुट गई।

जानकारी के अनुसार एक स्कॉर्पियो चालक अपनी गाड़ी से डुमरांव से कोरानसराय की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह टेढ़की पुल के समीप पहुंचा कि अचानक विपरित दिशा से एक बाइक चालक तेज रफ्तार से बाइक चलाते हुए स्कॉर्पियो के सामने आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में चालक असंतुलित हो गया तथा सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकराने के बाद वह चाट में पलट गया।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में किसी पक्ष ने थाने में आवेदन नहीं दिया था।

भरे बाजार महिला को हिप्नोटाइज कर जेवरात ले उड़े उचक्के

- रविवार की दोपहर राजगोला मोड़ के पास मुख्य पथ की है घटना, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में रविवार की भरी दोपहरी व मुख्य बाजार में उचक्कों ने एक महिला को हिप्नोटाइज कर उससे एक लाख रूपए मूल्य से उपर के जेवरात उड़ा लिए है।

इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल हरकत में आई तथा महिला की निशानदेही पर राजगोला रोड व स्टेशन रोड के राजगोला मोड़ के पास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाल उचक्कों की पहचान का प्रयास शुरू कर दिया है।

इस मामले में सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी गांव निवासी पीड़िता आशा देवी पति शंभू पासी ने स्थानीय थाने में आवेदन दे गुहार लगाई है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने जिक्र किया है कि वह रविवार को अपना तथा अपने पुत्र के जीउतिया, लॉकेट तथा कान की बाली आदि आभूषण की मरम्मत करवाने आई थी। राजगोला रोड स्थित एक दुकान में आभूषणों का मरम्मत कराने के बाद वह अपने गांव जाने के लिए गोला मोड़ के पास ही टेम्पो में बैठी। इसी दौरान दो चालक मुझे बातों में उलझा दिए कि यह टेम्पो आपके गांव नहीं जाएगी तथा इसी दौरान चालाकी से मेरे उपर किसी नशीला पदार्थ का छिड़काव कर दिए, जिसके बाद मुझे कुछ समझ में नहीं आया। इसके बाद वे लोग मेरे पास से आभूषण लेकर फरार हो गए। होश आने पर मैने इसकी सूचना अपने घरवालों तथा पुलिस को दी।

गौरतलब हो कि यह कोई नई घटना नहीं है। इसके पूर्व भी कई जगहों पर ऐसी वारदाते हो चुकी है। शनिवार को ही कुछ ऐसा ही मामला कृष्णाब्रह्म में देखने को मिला था, जबकि कुछ दिन पूर्व पुराना भोजपुर की एक महिला भी ऐसे ही उचक्कों की शिकार बनी थी। हालांकि, उक्त महिला में पुलिस को सूचना नहीं दी। महिलाओं को हिप्नोटाइज कर लगातार उनसे आभूषण उड़ाने की घटनाओं से आम लोगों की चिंता बढ़ गई है, वहीं पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वयोवृद्ध नेता की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

केटी न्यूज। नावानगर

नावानगर प्रखंड के बेलांव में रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वयोवृद्ध नेता स्व. कॉम. गुप्त राम की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता कॉम. जितेंद्र सिंह ने की तथा संचालन का कार्य कॉम. महेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए स्व. गुप्त राम के सुपुत्र सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश (मधुबनी) अनिल राम ने कहा कि उनके पिता जी ने कठिन मजदूरी कर उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया। उन्होंने कहा कि स्व. गुप्त राम का जीवन पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है और लोगों को उनसे सादगी, संघर्ष और समर्पण की सीख लेनी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि स्व. गुप्त राम पार्टी के आजीवन समर्पित नेता थे, जिन्होंने हमेशा मजदूरों और किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। वे न केवल संगठन के प्रति बल्कि समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर सक्रिय रहे। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि गुप्त राम का जीवन गरीबों और मजलूमों की आवाज उठाने के लिए समर्पित था। उनके संघर्ष और निष्ठा को भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर उनकी पत्नी लूँगी देवी, पप्पु राम, सौरभ, मीना देवी, मुखिया लाल साहब सिंह, अशोक प्रसाद, नागेंद्र सिंह, दीपक कुमार मुल्तान, आदित्य राज, पूर्व जिला पार्षद मनोज यादव, राजेश उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर

दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि स्व. गुप्त राम के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए पार्टी और समाज के प्रति समर्पित रहेंगे।

धान की फसल सूखने की कगार पर, विभागीय लापरवाही से भड़के किसान, आंदोलन की दी चेतावनी

ठोरी पांडेयपुर में जला ट्रांसफार्मर बना किसानों की परेशानी का कारण

केटी न्यूज/चौगाई

चौगाई प्रखंड के मुरार पंचायत अंतर्गत ठोरी पांडेयपुर गांव के किसान इन दिनों भीषण परेशानी का सामना कर रहे हैं। यहां कृषि फीडर का ट्रांसफार्मर पिछले एक महीने से जला पड़ा है, जिसके कारण खेतों तक बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। नतीजा यह है कि किसानों द्वारा रोपाई किए गए धान के खेत पानी के अभाव में सूखने की कगार पर हैं।

किसानों का कहना है कि ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी विभाग को कई बार दी गई, लेकिन अब तक इसका कोई समाधान नहीं निकाला गया। धान की रोपाई के ऐन मौके पर बिजली आपूर्ति बाधित रहने से उनकी मेहनत और लागत दोनों पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

किसानों की नाराजगी हुई तेज

सिचाई की समस्या से परेशान किसान धर्मदेव पांडेय, उमेश कुमार पांडेय, जगमोहन पांडेय, राममूरत पासवान, जैराम पासवान, अक्षयवर पांडेय, बिक्रमा राम, संतोष यादव, भरत चौबे और सर्वजीत साह सहित कई किसानों ने संयुक्त रूप से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों को सुविधा देने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है। बावजूद इसके विभागीय अधिकारी ह्लहम नहीं सुधरेंगेह्व की तर्ज पर काम कर रहे हैं। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि सभी ट्रांसफार्मर गारंटी अवधि में हैं, फिर भी विभाग उन्हें बदलने में बहाने बनाता है। जिन किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत है और वे पैसा खर्च करने को तैयार हैं, उनके गांव का ट्रांसफार्मर तुरंत बदल दिया जाता है। गरीब और साधनहीन किसानों की बातों पर ध्यान ही नहीं दिया जाता।

किसानों ने आरोप लगाया कि एनसीसी एजेंसी के माध्यम से लगाए गए आधे से अधिक ट्रांसफार्मर अक्सर जल जाते हैं। स्थिति यह है कि कहीं खंभे झुके हुए हैं, तो कहीं हाई टेंशन तार खेतों के ऊपर खतरनाक ढंग से झूल रहे हैं। कहीं बिना सुरक्षा के स्विच और जंपर लगाए गए हैं। ऐसे हालात में ट्रांसफार्मर का बार-बार जलना आम बात हो गई है। किसानों का कहना है कि विभाग सिर्फ कोरम पूरा करता है, जबकि जमीनी स्तर पर किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पाता।

आंदोलन की चेतावनी

धान की फसल सूखने की स्थिति से चिंतित किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर अविलंब ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। किसानों का कहना है कि फसल बर्बाद होने पर उनकी आजीविका पर संकट आ जाएगा, और इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग और कंपनी के अधिकारियों की होगी।

सरकार की योजनाएं धरातल पर फेल

गौरतलब है कि राज्य और केंद्र सरकार किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त सुविधा देने का दावा करती रही है। ह्लहर खेत को पानीह्व और ह्लकृषि फीडर बिजली आपूर्तिह्व जैसी योजनाएं कागजों पर तो सफल दिखती हैं, लेकिन ठोरी पांडेयपुर जैसे गांवों में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। खेतों तक बिजली पहुंचाने के नाम पर विभागीय उदासीनता किसानों की कमर तोड़ रही है।

किसानों की आवाज बन रहा आक्रोश

गांव के किसान अब इस समस्या को लेकर संगठित हो रहे हैं। उनका कहना है कि अगर धान की फसल बर्बाद हो गई तो पूरे परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। ऐसे में वे अब चुप नहीं बैठेंगे और आंदोलन की राह पर उतरेंगे।

जिला शिक्षा कार्यालय में ठेकेदारी का खेल, साई इंटरप्राइजेज पर उठ रहे सवाल

- सांसद सहयोगी व अजय के संरक्षण में कंपनी का वर्चस्व, बेंच-डेस्क से लेकर मध्यान्ह भोजन तक ठेकेदारी पर चर्चा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर का जिला शिक्षा कार्यालय इन दिनों चर्चा के केंद्र में है। वजह है, साई इंटरप्राइजेज नामक एक निजी कंपनी, जिस पर सवालों की झड़ी लग गई है। आरोप लग रहा है कि यह कंपनी शिक्षा विभाग के कई महत्वपूर्ण कामों पर लगभग एकछत्र राज कायम किए हुए है। बेंच-डेस्क की आपूर्ति से लेकर सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मति, बोरिंग का कार्य और यहां तक कि मध्याह्न भोजन (एमडीएम) सामग्री की आपूर्ति तक, हर जगह साई इंटरप्राइजेज का दबदबा दिखाई देता है।

स्थानीय सूत्रों की मानें तो यह कंपनी सीधे तौर पर सांसद के सहयोगी अरविंद सिंह और अजय सिंह की देखरेख में काम कर रही है। यही वजह है कि इस कंपनी के ठेकों में कभी अड़चन नहीं आती और भुगतान की प्रक्रिया भी सामान्य से तेज रहती है।

साई इंटरप्राइजेज का नाम सबसे पहले सरकारी स्कूलों में बेंच-डेस्क की आपूर्ति के दौरान चर्चा में आया था। बाद में कंपनी ने स्कूल भवनों की मरम्मति और बोरिंग का कार्य भी अपने हाथों में लिया। इतना ही नहीं, अब कंपनी मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सामग्री की सप्लाई भी कर रही है।

एमडीएम कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, सदर अनुमंडल के बक्सर, इटाढ़ी और चौसा प्रखंडों के कई स्कूलों में साई इंटरप्राइजेज द्वारा सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। चावल को छोड़कर अन्य सामग्री जैसे दाल, मसाले, तेल, नमक आदि कंपनी ही उपलब्ध कराती है।

डीईओ कार्यालय में हो रही है प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप की चर्चा : जिला शिक्षा कार्यालय पर हमेशा से अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन इस बार मामला गंभीर है क्योंकि इसमें सांसद सहयोगियों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप की चर्चा खुलेआम हो रही है। यदि आरोपों में सच्चाई है तो यह शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और ईमानदारी पर गहरी चोट है।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस मामले में कब और किस स्तर पर कार्रवाई करते हैं। तब तक जिला शिक्षा कार्यालय और साई इंटरप्राइजेज को लेकर उठ रहे सवालों की गूंज थमने वाली नहीं दिखती।

वहीं, विभागीय सूत्रों का कहना है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी सबकुछ जानते हुए भी मौन साधे हुए है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर सबकुछ जानते हुए भी विभागीय अधिकारी आखिर किस दबाव में चुप बैठे है। जबकि साईं इंटर प्राइजेज द्वारा बेंच-डेस्क की आपूर्ति में विभागीय मानकों को तार-तार करने के साथ ही एमडीएम योजना में भी लूट मचाई जा रही है।

कार्यालय तक जाने की नहीं पड़ती है जरूरत

शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि साई इंटरप्राइजेज को विशेष छूट प्राप्त है। सामान्य ठेकेदारों को भुगतान के लिए महीनों जिला शिक्षा कार्यालय का चक्कर काटना पड़ता है, लेकिन इस कंपनी का बिल सीधे पारित हो जाता है। आरोप है कि सांसद सहयोगी व अजय के प्रभाव के कारण यह संभव हो पाता है।इस मामले में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सांसद सहयोगी व अजय सिंह की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि साई इंटरप्राइजेज के पीछे इन्हीं दोनों का संरक्षण है और इसी कारण यह कंपनी लगातार बड़े-बड़े ठेके हासिल करती जा रही है।

आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

हालांकि अब तक इस मामले में शिक्षा विभाग या जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। एमडीएम सामग्री आपूर्ति को लेकर भी विभागीय स्तर पर लिखित पुष्टि नहीं हो पाई है। फिर भी, जमीनी हकीकत और स्थानीय सूत्रों की मानें तो साई इंटरप्राइजेज का दबदबा शिक्षा विभाग के कई हिस्सों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

उठ रहे है कई सवाल

जिला शिक्षा विभाग में साई इंटरप्राइजेज के दबदबे से कई सवाल खड़े हो रहे है। सवाल उठ रहा है कि क्या जिला शिक्षा कार्यालय में ठेकेदारी के नाम पर मनमानी हो रही है। सवाल तो ये भी उठ रहा है कि क्या सांसद सहयोगियों के दबाव में विभाग काम कर रहा है, क्या सरकारी नियम-कायदों की अनदेखी कर एक ही कंपनी को लगातार ठेके दिए जा रहे हैं तथा क्या एमडीएम सामग्री आपूर्ति की प्रक्रिया पारदर्शी है। इन सवालों का जवाब मिलना बाकी है। लेकिन इतना तय है कि शिक्षा विभाग से जुड़ी योजनाओं और खर्चों पर निगाह रखने वालों के बीच अब साई इंटरप्राइजेज का नाम तेजी से चर्चा का विषय बन चुका है।

केसठ से सैकड़ों कार्यकर्ता वोट चोर गद्दी छोड़ो पदयात्रा में हुए शामिल

केटी न्यूज/केसठ

वोट चोर गद्दी छोड़ो पदयात्रा के तहत केसठ प्रखंड से भी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सासाराम के सुवारा हवाई अड्डा मैदान से शुरू हुई इस पदयात्रा में राजद के वरिष्ठ नेता सह डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव के नेतृत्व में केसठ प्रखंड के सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया।पदयात्रा का उद्देश्य वोट की चोरी के खिलाफ आवाज उठाना और लोकतंत्र को मजबूत करना बताया गया। पप्पू यादव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आंदोलन गरीबों, वंचितों और बेजुबानों की आवाज है। उन्होंने कहा कि आज जनता भ्रष्टाचार, अन्याय और झूठे वादों से थक चुकी है। अब वक्त आ गया है

कि बिहार की राजनीति में बदलाव लाया जाए। कार्यक्रम में शामिल कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए वर्तमान सरकार को हटाने और जनता के असली मुद्दों को उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे एक ऐसी सरकार चाहते हैं जो सिंचाई, पढ़ाई, दवाई और करवाई पर काम करे न कि केवल वादों तक सीमित रहे।पदयात्रा में शामिल लोगों ने संकल्प लिया कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। केसठ प्रखंड से इतनी बड़ी संख्या में कार्यकताओं की भागीदारी ने इस आंदोलन को और मजबूती दी है। स्थानीय स्तर पर भी अब राजनीतिक चचाओं का केंद्र यही पदयात्रा बनी हुई है।

मवेशी को बचाने के प्रयास में बाइक सवार घायल, वाराणसी रेफर

केटी न्यूज/चौसा

रामपुर में शनिवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। अचानक सड़क पर मवेशी आ जाने से हुए इस हादसे ने इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान डिहरी निवासी 40 वर्षीय सुबोध राजभर के रूप में हुई है। वह शनिवार को किसी काम से उत्तर प्रदेश के एक गांव गए थे। शाम को अपने गांव लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि रामपुर के समीप उनकी बाइक की रफ्तार तेज थी। इसी बीच अचानक सड़क पर मवेशी आ गया। मवेशी को बचाने की कोशिश में सुबोध की बाइक असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गए और सड़क पर गिरते ही बेहोश हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल उन्हें चौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। यहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को गंभीर बताया और बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में वाराणसी लेकर रवाना हो गए।

इधर, हादसे की सूचना पर चौसा पुलिस भी अस्पताल पहुंची। हालांकि तब तक घायल को वाराणसी भेजा जा चुका था। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जानकारी मिली थी और परिजन घायल को लेकर रवाना हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आवारा मवेशियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़कों पर मवेशियों के नियंत्रण को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों के बीच झूमते रहे नगरवासी

डुमरांव के बांके बिहारी मंदिर में देर रात तक गूंजता रहा जन्माष्टमी उत्सव

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में जन्माष्टमी का पर्व इस बार भी बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। शनिवार की रात नगर के ऐतिहासिक राजगढ़ परिसर स्थित बांके बिहारी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का ऐसा माहौल रहा कि आधी रात तक लोग ह्लनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्व के जयकारों के बीच झूमते और नाचते दिखाई दिए।

शाम से ही मंदिर परिसर में भक्तों का जुटना शुरू हो गया था। जगह-जगह रंग-बिरंगी झालरों, विद्युत सजावट और फूलों से सजे पंडालों ने वातावरण को अलौकिक बना दिया। भजन-कीर्तन और झांकियों की प्रस्तुति से पूरा इलाका भक्तिमय हो उठा। देर रात 12 बजे जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय हुआ, मंदिर परिसर में ढोल-नगाड़ों और शंख-घंटियों की गूंज से माहौल रोमांचित हो उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक एक-दूसरे को प्रसाद वितरित किया और जन्मोत्सव का उल्लास साझा किया।

विशेष आकर्षण के रूप में स्थानीय कलाकारों ने श्रीकृष्ण-राधा की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं। वहीं, छोटे बच्चों ने भगवान कृष्ण और गोपियों की वेशभूषा धारण कर लोगों का मन मोह लिया। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन ने पर्याप्त व्यवस्था की थी। जगह-जगह पेयजल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी, वहीं मेडिकल टीम भी एहतियातन मौजूद रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। देर रात तक मंदिर और आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा ताकि किसी तरह की अफरा-तफरी की स्थिति न बने।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार जन्माष्टमी पर भक्तों की संख्या पिछले वर्षों की अपेक्षा कहीं अधिक रही। खासकर ग्रामीण इलाकों से भी लोग बड़ी संख्या में पहुंचे थे। आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाने के बाद ही श्रद्धालु अपने घरों को लौटे। डुमरांव का बांके बिहारी मंदिर न सिर्फ नगर बल्कि पूरे क्षेत्र का प्रमुख आस्था केंद्र माना जाता है। यहां हर साल जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन होता है, इस बार की रौनक देखने लायक रही। भक्ति, उल्लास और अनुशासन के अद्भुत संगम ने जन्माष्टमी की रात को अविस्मरणीय बना दिया।

एक नजर

नप ईओ के लगातार छुट्टी में रहने के कारण चरमराई शहर की सफाई व्यवस्था, मातहत नहीं दे रहे ध्यान

डुमरांव। शहर की सफाई व्यवस्था की जिम्मेवारी जिस एनजीओं को मिली हुई है, उसके कार्य प्रणाली से पूरे नगर के लोग खफा हैं। शहर की कोई भी ऐसी गली और चौक-चौराहा नहीं है, जहां कूड़े का ढेर नहीं लगा हुआ है। कूड़े का उठाव नहीं होने से चारो तरफ फैल आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह महीन धार्मिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, बावजूद नप की सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पूजा स्थलों पर जाने वाले लोगों को उसी कूड़े के ढेर से होकर गुजरना मजबूरी हो गई है। मालूम हो कि नगर का राज गोला मंडी हो, शहीद गेट, जवाहीर मंदिर मोड़, राजगढ़ चौक, जंगलबाजार के रोड पर कूड़े बखरे पड़े हैं। वहीं, वार्ड 18 के कमल नगर मोहल्ले में कचरे का अंबार लगा हुआ है। कल देर रात तक कृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम विभिन्न मंदिरों में आयोजित हुआ था, जहां हजारो श्रद्धालु पहुंचे हुए थे। इनका कहना था की पर्व-त्योहारों में नप सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहा है। कूड़े का उठाव नहीं होने से जानवरों के द्वारा उसे फैला दिया जाता है, जिससे आने-जाने का रास्ता ही नहीं रह जाता है, ऐसे में लोगों को उसी से होकर गुजरना पड़ता है। नप को यह मालूम था कि आज कृष्ण जन्माष्टमी है, बावजूद शहरी की सफाई व्यवस्था नहीं की गई थी। ऐसे में सहज अनुमान लगया जा सकता है कि सफाई एनजीओ की मनमानी कितनी है। लोगों को यह भी कहना है कि सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिये नप कार्यालय में स्वच्छता पदाधिकारी की नियुक्ति अलग से की गई है, बावजूद शहर नरक बनता जा रहा है। इस मनमानी पर नहीं नहीं स्वच्छता पदाधिकारी कोई संज्ञान ले रहे हैं और नहीं कोई प्रशासनिक अधिकारी ही। इस संबंध में जब कार्यवाहक सभापति से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत बहुत मिल रही है, शीघ्र ही सारे सिस्टेम को दुरूस्त किया जाएगा। जो सफाई एनजीओ से एग्रीमेंट हुआ है, उसी के अनुसार उससे काम लिया जाएगा।

जदयू का सुशासन का सार-आपके द्वार अभियान आज से शुरू

डुमरांव। आज से जदयू प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार सुशासन का सार आपके द्वार अभियान की शुरूआत डुमरांव विधान सभा क्षेत्र-201 के डुमरांव नगर से की गई। अभियान का नेतृत्व जिला जदयू अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने किया। नगर के जंगल बाजार रोड, चौक रोड, एवं ठठेरी बाजार रोड में घर-घर जाकर सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किये गए 20 वर्षो के विकास कार्य संबंधित बुकलेट का वितरण किया गया एवं हर-घर के दरवाजे पर स्टिकर भी लगाया गया। जनता के बीच जब कार्यकर्ता और नेता बुकलेट बांट रहे थे, तो उत्सुकता के साथ बुकलेट को स्वीकार करते हुए, उनसे जानकारी हासिल कर रहे थे। उन्हें बताया जा रहा था कि नीतीश कुमार के द्वारा कितने विकास के कार्य किये गए और कितने लोगों ने इसका लाभ उठाया है। नेता लोगों से इसकी जानकारी भी ले रहे थे कि सरकारी की योजनाओं को उन्हें लाभ मिला है कि नहीं। नहीं मिलने वालों को आश्वस्त कराया की जरूरतमंद को लाभ दिलाया जाएगा। फिर आम जन को बताया गया की किसी के बहकावे में नहीं आना है। प्रलोभन देने वाले आएंगे और मीठी-मीठी बातें कर आपसे अपनी तरफ खींचने की काशीश करेंगे, इसमें नहीं पड़ने की बात कही गई। कार्यक्रम में जिला प्रभारी श्री अभिषेक पटेल, जदयू के प्रदेश सचिव बिनोद कुमार राय, डुमरांव विधान सभा प्रभारी सह बीएलए-1 नथुनी प्रसाद खरवार, डुमरांव नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, चौगाई प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा सिंह, नवानगर प्रखंड अध्यक्ष सत्यानंद कुशवाहा, जिला जदयू कार्यालय प्रभारी राजेश कुशवाहा, जिला शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष विमलेश सिंह, जिला महासचिव ध्रुव गुप्ता, जिला महासचिव भोला यादव, जिला सचिव लक्ष्मण चौधरी, जिला सचिव संतोष मिश्रा, शशी कुमार गोंड एवं अन्य कार्यकताओं मौजूद रहे।

मुंशी डेरा में आपसी विवाद में मारपीट

डुमरांव। मुंशीडेरा गांव में शनिवार को आपसी विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। इस घटना में दोनों पक्षों के दो लोग जख्मी हो गए। घटना के बाद दोनों ओर से थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई गई है। पहले पक्ष की ओर से मीरा सिंह की पत्नी जीरा देवी ने छह लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरे पक्ष से कृष्णा सिंह के पुत्र पवन कुमार ने प्रतिद्वंद्वी पक्ष पर गाली-गलौज और हमला करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर दस लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। फिलहाल मामले की प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चौसा में तालाब में डूबे युवक की हुई शिनाख्त, चार दिन बाद मिला शव

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पशु मेले के पास स्थित पोखर से शुक्रवार की शाम बरामद हुए अज्ञात शव की पहचान हो गई है। पुलिस ने मृतक की पहचान सिकरौल थाना क्षेत्र के कंजिया गांव निवासी देव कुमार पासवान के 20 वर्षीय पुत्र मंटू पासवान के रूप में की है। परिजनों ने कपड़े और चेहरे के आधार पर शव की शिनाख्त की। परिजनों ने बताया कि मंटू मानसिक रूप से बीमार था। बीते 13 अगस्त को वह अपने ननिहाल पवनी के नवागांव में एक क्रियाक्रम में शामिल होने गया था, तभी से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो स्वजनों ने मुफस्सिल थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। स्वजनों के मुताबिक घर में एक वृद्ध की मृत्यु होने से पूरा परिवार शोकाकुल था। क्रियाकर्म के बाद उसका इलाज कराने की योजना थी, लेकिन इससे पहले ही वह अचानक गायब हो गया। परिजनों ने आशंका जताई कि घटना वाले दिन मंटू संभवतः पोखर के किनारे से गुजर रहा होगा और पैर फिसलने के कारण पानी में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभु भगत ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर इसे डूबने से हुई मौत माना है। शव मिलने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए थे। इस घटना से मृतक के गांव कंजिया और ननिहाल पवनी दोनों जगहों पर शोक की लहर है। परिवार के लोगों ने कहा कि मंटू की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसकी लगातार देखभाल की जा रही थी, लेकिन किस्मत ने उसे समय से पहले छीन लिया।

विद्यालय परिसर में आयोजित एक दिवसीय जय स्वर्वेद कथा एवं ध्यान साधना सत्र में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच व्यक्त किए

स्वर्वेद का आचरण मनुष्य को देवत्व में स्थापित कर देता है : विज्ञान देव

केटी न्युज। रोहतास

आध्यात्म मानव जीवन की अपरिहार्य आवश्यकता है। इसके द्वारा हमारे जीवन का संपूर्ण विकास होता है । विहंगम योग का सैद्धान्तिक सद्ग्रन्थ स्वर्वेद अध्यात्म जगत की एक अन्यतम कृति है। यह हमारी आध्यात्मिक यात्रा को सदैव जागृत रखता है। उक्त उद्गार स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने शहर स्थित पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर बिक्रमगंज में आयोजित एक दिवसीय जय स्वर्वेद कथा एवं ध्यान साधना सत्र में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच व्यक्त किए। संत प्रवर जी महाराज ने कहा कि स्वर्वेद का आचरण मनुष्य को देवत्व में स्थापित कर देता है। जब हम आत्म कल्याणकारी विचारों से अपने मन को भरते हैं,तब हमारा मन शांत और स्थिर स्वभाव वाला बन जाता है। उन्होंने अपने दिव्यवाणी के दौरान बताया कि जीवन और सत्य कोई दो वस्तु नहीं,जीवन कहें या सत्य कहें। जीवन में जो सबसे महत्वपूर्ण है वह कुछ अन्य नहीं,जीवन की वास्तविकता ही है। क्योंकि जीवन का आधार परमात्मा है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं। अच्छाइयां-बुराइयां सबके भीतर है। हमें दुर्बलताओं,कठिनाइयों से घबराना नहीं है । उन कठिनाइयों को दूर करने की जो प्रेरणा,शक्ति व सामर्थ्य है वह अध्यात्म के आलोक से स्वर्वेद के स्वर से एक साधक को अवश्य ही प्राप्त होता है। क्योंकि हमारे भीतर अंतरात्मा रूप से परमात्मा ही तो स्थित है। इस अवसर पर भक्तों ने भव्य विहंगम शोभायात्रा निकाली। अनुयायियों ने अपनी लोक संस्कृति अनुसार संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज का स्वागत अभिनंदन किया। हजारों लोगों ने हाथों में अंकित श्वेत ध्वजा लिए सदगुरुदेव का जयघोष करते हुए,हम सबका संकल्प महान! स्वर्वेद महामन्दिर निर्माण !! का संकल्प दोहराते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव" विहंगम योग संत समाज के 102 वें वार्षिकोत्सव एवं 25,000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित्त संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज द्वारा 29 जून को संकल्प यात्रा का शुभारंभ काश्मीर की धरती से हो चुका है । यह संकल्प यात्रा जम्मू -कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के बाद बिहार के बिक्रमगंज में राष्ट्रव्यापी स्वर्वेद सन्देश यात्रा के रूप में पहुंच चुकी है । 25 एवं 26 नवम्बर 2025 को विशालतम ध्यान-साधना केंद्र (मेडिटेशन सेंटर) स्वर्वेद महामंदिर वाराणसी के पावन परिसर में 25,000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ होना है । उसी क्रम में यह स्वर्वेद सन्देश यात्रा हो रही है,जिससे अधिक से अधिक लोगों को पूरे भारतवर्ष में लाभ मिल सके । इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे ।

समस्तीपुर में करंट लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, 6 माह की मासूम घायल

केटी न्युज। बिहार

समस्तीपुर में रविवार (17 अगस्त, 2025) की शाम करंट लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई. घटना विभूतिपुर थाना क्षेत्र के विभूतिपुर पूरब पंचायत के वार्ड 12 की है. मृतकों में रामाशीष राम की पत्नी शांति देवी, पुत्र अरुण राम और पोता अजीत कुमार राम शामिल हैं. अरुण राम की तीन माह की पुत्री गंभीर हालत में इलाजरत है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि बिजली के पोल से रामाशीष राम के घर में गया सर्विस तार शॉर्ट लगने के कारण गिर गया था. बिजली काट दी गई थी. इसी दौरान अरुण राम देखने जा रहा था इसी बीच बिजली आ गई और वे चपेट में आ गए. यह देखकर मां शांति देवी और अजीत कुमार जो इनका भतीजा लगेगा ये सभी चपेट में आ गए. अरुण राम की पत्नी रिंकू देवी अपनी 6 माह की बच्ची को गोद में लेकर दौड़ी और वह भी इसकी चपेट में आ गई जिससे बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में सभी को स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया. यहां अजीत कुमार, अरुण राम और शांति देवी को मृत बता दिया गया. गंभीर हालत देखकर छह माह की बच्ची को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची. तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में बिजली विभाग के प्रति काफी आक्रोश दिखा।

बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

लोगों का आरोप था घटना के बाद बार-बार बिजली काटने के लिए कॉल किया गया लेकिन किसी ने नहीं उठाया. इसके कारण तीन लोगों की मौत हो गई. बिजली विभाग द्वारा लापरवाही बरती गई है. घटना की जानकारी मिलने पर विधायक अजय कुमार पहुंचे. उन्होंने घटना को लेकर दुख जताया. पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया है. घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया है. थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा ने बताया कि पुलिस कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़, एनकाउंटर में घायल हुआ कुख्यात विजय सहनी

पटना। पटना में अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें अपराधी घायल हो गया। घटना पटना सिटी के बिस्कोमान गोलंबर के पास की है । अपराधी की पहचान विजय सहनी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि अपराधी विजय सहनी ने पुलिस पर गोली-बारी की थी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपराधी विजय सहनी को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल अवस्था मे पुलिस ने आरोपी अपराधी विजय सहनी को पटना के एनएमसीएच में भर्ती कराया है। घटना की जानकारी मिलने पर पटना एसएसपी सहित कई अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं।

अन्नपूर्णा जलपान गृह एवं समरसेबल पम्प प्याऊ का किया उद्घाटन

केटी न्युज। रोहतास

शहर के इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के पावन अवसर पर डॉ अजय कुमार सिंह सचिव शासी निकाय सह पूर्व सदस्य बिहार विधान परिषद की गरिमामयी उपस्थिति में एसडीएम प्रभात कुमार,बीडीओ अमित प्रताप सिंह,प्राचार्य डॉ बिनोद कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्या डॉ माधुरी सिंह,उप-प्राचार्य डॉ उमेश्वर प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से अन्नपुर्णा जलपान गृह एवं समरसेबल पम्प प्याऊ का उद्घाटन किया । उसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा प्राचार्य डॉ बिनोद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया । मंच संचालन डॉ पुष्पा सिंह विभागाध्यक्ष हिन्दी द्वारा किया गया । कार्यक्रम दौरान स्नातक की छात्राओं में मुख्य रूप से बिपाशा, पूनम,नंदनी,नेहा,चंचल,रेशमी, कोमल,निधि,खुशी,शालू,ब्यूटी,रीमा, ज्योति,खुशबू,सीमा,आकृति सहित अन्य छात्रा उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ली । उक्त दौरान बच्चियों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत की,जिसमें एकल नृत्य,युगल नृत्य,समूह नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत की । इस अवसर पर उपस्थित दर्शकगण कार्यक्रम को देख मंत्रमुग्ध हुए,साथ ही लोगों ने कार्यक्रम का आनंद भी उठाया । कार्यक्रम दौरान मुख्य रूप से शहरी तिवारी,बिहार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ मनिष रंजन सिंह,बिहार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य, उप-प्राचार्य डॉ उमेश्वर प्रसाद सिंह,डॉ उदय प्रताप,डॉ रविंद्र कुमार,डॉ मनोज कुमार,डॉ पुष्पा रसिक,डॉ राणा संतोष,दिवाकर पांडेय,अरविंद पाण्डेय,डॉ इफ्तखार,प्रो प्रीति प्रिया, सहित सभी शिक्षक-शिक्षकेत्तर,सभी कर्मी एवं छात्राएं उपस्थित हुए ।

11 तीर्थ यात्रियों का शव बंगाल से लाया गया पूर्वी चंपारण, परिजनों में मचा कोहराम

केटी न्युज। पूर्वी चंपारण

पश्चिम बंगाल के वर्धमान में 15 अगस्त को तीर्थ यात्रियों से भरी बस ट्रक में टकरा गई थी। इस भीषण हादसे में पूर्वी चंपारण के 11 लोगों की मौत हो गई। वही मौत के बाद गांव में कोहराम मच गया। सात एंबुलेंस से 11 शव को पूर्वी चंपारण लाया गया। शव को मृतक के परिजनों को सौंपा गया। सभी 11 शव के आने की सूचना मिलते ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गांव में चीख पुकार मच गयी। वहीं शव को देखने के लिए मोतिहारी की नगर निगम की मेयर प्रीति कुमारी भी बढई टोला स्थित मृतक के घर पहुंची। वहां के इस दृश्य को देख मेयर की आंखों में भी आंसू आ गए। मेयर भी फूट-फूट कर रोने लगी.... वही सभी के शव का दाह संस्कार किया गया। मृतकों की सूची में मीरा देवी, अमरजीत कुमार ,योगी शाह ,नगीना साहनी, नरेश पासवान ,पुनदेव पासवान ,शिव शंकर गिरी ,सुखदेव शर्मा ,सुंदर पति देवी ,,पारस शाह और संदीप कुमार शामिल है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस घटना पर दुख जताते हुए मेयर प्रीति गुप्ता ने कहा कि यह बड़ी ही दुखद घटना है। जिसमें हमारे जिले के 11 लोगों की मौत हुई है। सभी के परिवार ने अपने-अपने घर के मुखिया को खोया है। यह बेहद दुखद घटना है। इस दुख की घड़ी में हम मृतक के परिवार के साथ खड़े हैं।

मृतकों की सूची

1.मीरा देवी (चिरैया प्रखंड)
2.अमरजीत कुमार (चिरैया प्रखंड)
3.योगी साह (चिरैया प्रखंड)
4.नगीना सहनी (चिरैया प्रखंड)
5.सुनरपति देवी (चिरैया प्रखंड)
6.पारस साह (चिरैया प्रखंड)
7.नरेश पासवान(मोतिहारी सदर अंचल)
8.पुण्यदेव पासवान (मोतिहारी सदर अंचल)
9. शिवशंकर गिरी (मोतिहारी सदर अंचल)
10. शुकदेव शर्मा (मोतिहारी सदर अंचल)
11.संदीप कुमार (पहाड़पुर अंचल) शामिल है।

राजगीर तैयार! बिहार में पहली बार होगा हीरो एशिया कप-2025

सीएम नीतीश ने किया भव्य आगाज

केटी न्युज। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को 1 अणे मार्ग स्थित ह्यसंकल्पह्न सभागार में हीरो एशिया कप-2025 के आधिकारिक शुभंकर ह्यचांदह्न और ट्रॉफी का भव्य अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने ह्यट्रॉफी गौरव यात्राह्न को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि पुरुष हॉकी का यह प्रतिष्ठित टूनार्मेंट पहली बार बिहार में आयोजित होने जा रहा है। 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक इसका आयोजन राजगीर के अत्याधुनिक अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हीरो एशिया कप का आयोजन बिहार के लिए गौरव की बात है। इससे न केवल राज्य की खेल आयोजन क्षमता प्रदर्शित होगी बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी बिहार की छवि और सशक्त होगी। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजगीर में विश्वस्तरीय खेल परिसर का निर्माण बिहार के खेल विकास की दिशा में बड़ा कदम है। आधिकारिक शुभंकर ह्यचांदह्न भारत के राष्ट्रीय पशु बाघ से प्रेरित है, जो साहस और चपलता का प्रतीक है। इसका लाल लबादा शक्ति और उत्साह को दशार्ता है, जबकि जादूगर की टोपी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ह्यचांदह्न नाम भी मेजर ध्यानचंद से प्रेरित है। यह शुभंकर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के गौरवशाली बाघ से भी जुड़ा है और अनुशासन, समर्पण एवं जीत के जज्बे को दशार्ता है। टूनार्मेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें। इस टूनार्मेंट में भारत, चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और बांग्लादेश की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को सीधे हॉकी विश्व कप का टिकट मिलेगा। अब तक दक्षिण कोरिया ने सबसे अधिक पांच बार खिताब जीता है, जबकि भारत और पाकिस्तान तीन-तीन बार चैंपियन रहे हैं। खेल के प्रति उत्साह जगाने के लिए ट्रॉफी गौरव यात्रा 17 अगस्त से शुरू होकर बिहार के सभी जिलों के अलावा चेन्नई, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, असम और झारखंड तक जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं में हॉकी के प्रति रुचि पैदा करना और जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के गोलकीपर पी.आर. सृजेश और अध्यक्ष भोला नाथ सिंह भी मौजूद रहे। पी.आर. सृजेश ने कहा कि बिहार का हॉकी के प्रति गहरा लगाव है और यहां की आधुनिक खेल सुविधाएं खिलाड़ियों को बड़ा अवसर प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता, वरिष्ठ अधिकारी, ओलंपिक खिलाड़ी और खेल विभाग के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

एक नजर

कागज में विद्यालय के नाम पर जमीन दशकों से है उपलब्ध, लेकिन विद्यालय नहीं

दावथ। सुर्यपुरा प्रखंड का एक ऐसा गांव जहां न तो प्राथमिक विद्यालय है और न हीं शिक्षक। ग्रामीणों ने बतलाया कि दशको पूर्व यहां लगभग 21डिसमिल जमीन विद्यालय के नाम पर उपलब्ध है और इसमें तीन डिसिमल जमीन पर कभी विद्यालय भी संचालित हुआ करता था । ग्रामीणों ने बताया कि गाँव-डबरिया मठिया में जिस जमीन को विद्यालय के लिए दान दी गई है उसका विवरण इस प्रकार से है जमीन दाता का नाम राम लाल पुरी ' मौजा, डबरिया, थाना, 340 खाता, 125 खेसरा 625 तथा 625 रकबा 21 डीसमिल ' लोगों ने कहा कि बिहार सरकार, शिक्षा विभाग यदी चयनित भूमि में प्राथमिक विद्यालय बनाने या शिक्षक बहाली कर दे तो शिक्षा के अधिकार कानून को सफलीभूत माना जाए। मालूम हो कि इस गांव में प्राथमिक विद्यालय ही नहीं बल्कि पहले आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित नहीं था। आंगनबाड़ी केंद्र भी कभी दूसरे बगल के गांव में बरसों से संचालित रहा। इस पर लोगों ने कई जगह शिकायत की और आवेदन दिया तो पिछले दो सालों से आंगनबाड़ी केंद्र केवल शिक्षा केंद्र या विद्यालय के नाम पर संचालित है। हालांकि जनप्रतिनिधियों के हवाले से बताया जा रहा है कि यहां के विद्यालय के भवन आदि से संबंधित कार्य प्रक्रिया में है और शीघ्र ही टेंडर में जाने वाला है। स्थिति यहां की ऐसी है कि प्राथमिक स्तर के शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चे गांव में ही शिक्षा के अधिकार से जुझते नजर आ रहे हैं। कारण भी साफ है कि इस गांव का मुख्य पथ से जुड़ने का मार्ग भी अभी तक नहीं बन सका है जिससे वह अपने प्रखंड मुख्यालय तक भी बरसात के दिनो में सुरक्षित जा सके। ग्रामीण लाल बिहार पुरी ने बतलाया कि यह गांव शिक्षा और सड़क मार्ग से दशकों से कटा हुआ है जिसके कारण न तो यहां शिक्षा का विकास ही हो रहा है और न हीं स्वास्थय से संबंधित समस्याओं का कोई हल दिखाई दे रहा है।

जन्माष्टमी के अवसर पर भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डेहरी । लक्ष्मी नारायण मंदिर रतु बीघा के प्रांगण में शनिवार की देर शाम जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर शहर के चर्चित गायक,गायिका एवं कलाकारों के द्वारा भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन योग भगाए रोग ग्रुप के द्वारा किया गया. जिसके अंतर्गत ग्रुप के अध्यक्ष बबलू मद्धेशिया एवं ग्रुप निदेशक विकास कुमार,अरुण तिवारी, आर के सिंह, अरुण गुप्ता, अनिल गुप्ता,रविंदर सेठ,राजू सोनी,बैजू कुमार, सुनील गुप्ता, मनोज कश्यप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वही ग्रुप के सदस्यों ने सर्वप्रथम अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आगाज गणेश स्तुति से की गई। मौके पर उपस्थित कलाकार राजेश कुमार,विनोद शर्मा, निशांत मिश्रा, रविंद्र सिंह, उर्वशी शर्मा,अविनाश कुमार, जयराम,अनिल कुमार बुल्लू के द्वारा राधा कृष्ण से संबंधित कई भक्ति गीत गाए गए। वही बाल कलाकार रिया कुमारी उर्फ परी ने राधे कृष्णा के गाना पर खूबसूरत डांस की प्रस्तुति की जो उपस्थित श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया। कलाकारों के द्वारा गाए गए गाना तूने मुझे बुलाया शेरावाली, अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो,कहते हैं भगवान आते नहीं आप मीरा की तरह बुलाते नहीं, सहित अन्य भक्ति गाने की खूबसूरत प्रस्तुति कलाकारों के द्वारा की गई। मौके पर संजय सिंह बाला, जन सुराज के नेता अभिषेक सांकृत ,कीर्तन कुमार, शैलेंद्र प्रसाद, पंकज रंजन के अलावे अन्य लोग उपस्थित थे।

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के दो प्रधानाध्यापकों को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया सम्मानित

काराकाट । 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय सासाराम में काराकाट प्रखंड क्षेत्र के दो प्रधानाध्यापकों को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया । मध्य विद्यालय अमौना के प्रधानाध्यापक सुशील गुप्ता एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय कुरुर के प्रधानाध्यापक डॉ. कृष्णा कुमार को विद्यालय संचालन में उत्कृष्ट कार्य,शिक्षा में नवाचार एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए प्रयासों के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय,माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ प्रियंका कुमारी,सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ रोहित रौशन एवं स्थापना डीपीओ निशांत गुंजन द्वारा प्रशस्ति-पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया ।सम्मान प्राप्त होने की खबर फैलते ही पूरे प्रखंड के शिक्षाविदों एवं विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर दौड़ गई । शिक्षकों,विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने दोनों प्रधानाध्यापकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है ।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सम्मान न सिर्फ दोनों शिक्षकों के परिश्रम का परिणाम है,बल्कि इससे क्षेत्र के अन्य शिक्षकों को भी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी ।

मुख्यालय में जन्माष्टमी पर्व का उल्लास इस बार खासा देखने लायक रहा

बिक्रमगंज । अनुमंडल मुख्यालय में जन्माष्टमी पर्व का उल्लास इस बार खासा देखने लायक रहा । बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के धारुपुर वार्ड संख्या 19,वार्ड संख्या 21 स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय प्रांगण सहित अनुमंडल के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों से लेकर युवा प्रतिभागियों तक ने पूरी उमंग और जोश के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया । ऊंचाई पर बंधी मटकी तक पहुंचने के लिए प्रतिभागियों की टोली ने आपसी सहयोग और एकजुटता का शानदार नजारा प्रस्तुत किया । जैसे ही किसी टीम ने मटकी फोड़ी,वैसे ही दर्शकों की भीड़ तालियों और ह्लजय श्रीकृष्णह्व के जयकारों से गूंज उठी । कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी रही । महिलाएं,बच्चे और बुजुर्ग सभी इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने । मटकी फोड़ प्रतियोगिता के विजेता टीम को आयोजकों द्वारा आकर्षक पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया । लोगों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन न केवल जन्माष्टमी पर्व की परंपरा को जीवंत रखते हैं,बल्कि बच्चों और युवाओं में टीम भावना,सहयोग और उत्साह का संचार भी करते हैं । इस अवसर पर बिक्रमगंज सहित ग्रामीण क्षेत्रों की गलियां सचमुच द्वारकाधीश की लीलाओं की छटा से सराबोर नजर आए ।

कृष्ण जन्माष्टमी प्रमुख त्योहार के रूप में मनाया गया

राजपुर। राजापुर बाजार के ठाकुरबाड़ी मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार के रूप में मनाया गया यह पर्व भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है श्री कृष्ण का जन्म लगभग 5000 वर्ष पूर्व मथुरा में हुआ था कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है बल्कि यह हमें श्री कृष्ण के जीवन से जुड़े मूल्य जैसे धर्म ,सत्य और प्रेम को अपनाने का प्रेरणा देता है यह पर्व नवयुवक संघर्ष समिति द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया और सांस्कृतिक नाटक का आयोजन किया गया और इस कमेटी के द्वारा जनप्रतिनिधि एवं नेता को वस्त्र देकर सम्मानित किया गया सम्मानित लोगों में शामिल सोमेश्वर सिंह ,अनिल चौधरी ,मनोज कुमार इमरान, प्रदीप गुप्ता ,मनीष सिंह ,नीतिश गुप्ता ,राजेश शर्मा, रवि सिंह, सोनू सिंह कृष्ण गुप्ता, दीपक गुप्ता ,भोला सोनी, सन्नी वर्मा, सुधांशु यादव ,अंकित यादव, रिशु यादव उपस्थित थे।

चारों ओर ऊंची दीवारों और मजबूत गेट की मौजूदगी के बावजूद भाग निकले बच्चे

कटिहार : वृहद आश्रय गृह से 5 बच्चे हुए फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

एजेंसी। कटिहार

कटिहार जिले के सहायक थाना क्षेत्र स्थित बृहद आश्रय गृह में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था को धत्ता बताते हुए पांच बच्चे फरार हो गए हैं। यह घटना शनिवार-रविवार की रात करीब 2:30 बजे की है, जब सभी बच्चे रात का खाना खाकर सोने गए हुए थे। सुबह उठने पर जब उनकी गैरहाज़िरी का पता चला तो प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, बच्चे आश्रय गृह की ऊंची दीवार फांदकर फरार हुए। आश्चर्य की बात यह है कि चारों ओर ऊंची दीवारों और मजबूत गेट की मौजूदगी के

बावजूद बच्चों का इस तरह भाग जाना, सुरक्षा में बड़ी चूक को दशार्ता है। घटना की जानकारी मिलते ही रविवार सुबह करीब 11 बजे सहायक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आश्रय गृह के प्रबंधक से पूछताछ की। हालांकि, प्रबंधक ने मीडिया को कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब बृहद आश्रय गृह से बच्चे फरार हुए हैं। इससे पहले भी दो बार इसी प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं, हालांकि उन मामलों में बच्चों को बाद में अलग-अलग जगहों से बरामद कर लिया गया था।बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं ने बृहद आश्रय गृह की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह संस्थान नाबालिगों के पुनर्वास और सुधार के लिए बनाया गया है, लेकिन लगातार हो रही इस तरह की चूक से इसकी कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठना लाज़िमी है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और फरार बच्चों की तलाश तेज कर दी गई है।

कटिहार एसडीपीओ अभिजीत कुमार ने दी जानकारी

हालांकि उन मामलों में बच्चों को बाद में अलग-अलग जगहों से बरामद कर लिया गया था। बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं ने बृहद आश्रय गृह की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह संस्थान नाबालिगों के पुनर्वास और सुधार के लिए बनाया गया है, लेकिन लगातार हो रही इस तरह की चूक से इसकी कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठना लाज़िमी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और फरार बच्चों की तलाश तेज कर दी गई है। कटिहार एसडीपीओ अभिजीत कुमार ने जानकारी दी।

मुजफ्फरपुर में एक साथ पांच बच्चों की मौत, स्नान करने के दौरान हुआ हादसा

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार में एक बड़ी घटना हुई है। स्नान करने के दौरान एक साथ पांच बच्चों की मौत हो गई। घटना की जानकरी मिलते ही गांव में हाहाकार मच गया। अब स्थानीय गोताखोर शव को निकालने में जुटे हुए हैं। मुजफ्फरपुर जिले के कटरा प्रखंड से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां कटरा प्रखंड के खंगुराडीह एवं बंधपुरा पंचायत के सीमा पर चौर मे गोरधुवा पुल के नजदीक डूबने से खंगुराडीह गाँव के पांच बच्चो की मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे अंचल अधिकारी और कटरा थाना की पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी बच्चे तालाब में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के दौरान पांचो डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे खेलने के लिए गांव के पास बने तालाब की ओर गए थे। इसी दौरान वे लोग नहाने लगे और नहाने के दौरान गहरे पानी में चले गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजन और स्थानीय लोग बच्चों को बचाने के लिए दौड़े,लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। सभी को आनन फानन में स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

बिहार में गंगा नदी पर छह लेन का एक्स्ट्रा-डोज्ड पुल बनकर तैयार, 22 अगस्त को पीएम मोदी देंगे सौगात

अब मोकामा से सिमरिया के बीच फर्राटा भरेंगी गाड़ियां

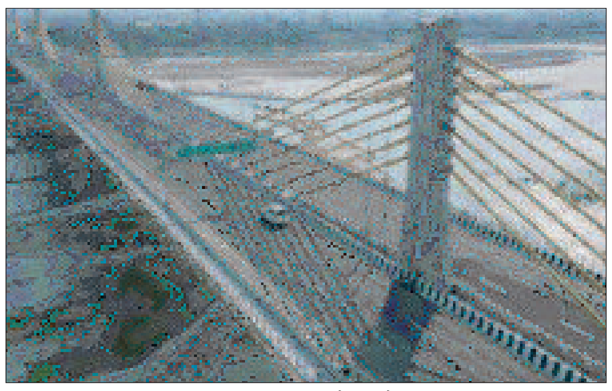

एजेंसी। पटना

बिहार के लोगों को 22 अगस्त को बड़ा तोहफा मिलेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औंटा घाट-सिमरिया 6 लेन गंगा ब्रिज का उद्घाटन करेंगे. इस पुल के बनने से लोगों को आने-जाने में सहूलियत होगी. साथ ही भारी गाड़ियों की आवाजाही भी हो सकेगी.औंटा घाट-सिमरिया 6 लेन गंगा ब्रिज बनकर तैयार हो गया है. 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार दौरा है और वे इसी दिन इस ब्रिज का उद्घाटन करेंगे. इस ब्रिज के बनने से लोगों को सफर में बड़ी सहूलियत होगी. यह पुल मोकामा के औंटा और बेगूसराय के सिमरिया को जोड़ेगा. औंटा-सिमरिया पुल की लम्बाई 1.865 किलोमीटर है. पहुंच पथ के साथ परियोजना की कुल लंबाई 8.150 किलोमीटर है. इस परियोजना की कुल लागत 1871 करोड़ रुपए है. इस पुल के बन जाने से उत्तर और दक्षिण बिहार की संपकर्त्ता में बड़े स्तर पर सुधार हो सकेगा. यहां पहले से मात्र दो लेन का रेल-सह-सड़क पुल था. इस ब्रिज के बन जाने से पटना से मोकामा बेगूसराय होते हुए खगड़िया तक 4 लेन संपकर्त्ता सुनिश्चित हो गई है।

नहीं झेलनी पड़ेगी जाम की समस्या

राजेंद्र पुल पर जाम की समस्या लोग वर्षों से झेलते आ रहे हैं. अब नया सिक्स लेन पुल चालू होगा तो इस पर गाड़ियां फरार्टा भरेंगी. पूर्णिया-भागलपुर समेत अन्य जिलों के लोगों को पटना जाने में अब यहां जाम का झंझट नहीं झेलना पड़ेगा. मालूम हो पटना से बख्तियारपुर 4 लेन रोड चालू है. वहीं, सिमरिया से खगड़िया तक का फोर लेन सड़क का चौड़ीकरण पूरा हो चुका है. साथ ही खगड़िया से पूर्णिया रोड को फोर लेन सड़क की योजना पर भारत सरकार काम कर रही है।

आवागमन में मिलेगी सहूलियत

जानकारी के मुताबिक, औंटा घाट-सिमरिया रेल-सह-सड़क पुल के पूर्व में सड़क पुल बना है और पश्चिम में नया रेल पुल भी बन रहा है. इस पुल के बन जाने से भारी वाहनों के आवागमन में सहूलियत होगी. दक्षिण बिहार और उत्तर बिहार के बीच आने-जाने वाले ट्रकों का आवागमन भी आसान हो सकेगा. इस पुल के बन जाने से बेगूसराय के साथ पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी. यह विकासशील बिहार के आधुनिक आधारभूत ढांचे का प्रतीक है.

साल 2015 में पीएम ने की थी घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2015 में बिहार के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें औंटा घाट से सिमरिया के बीच 6 लेन नए गंगा ब्रिज के निर्माण की योजना शामिल थी. प्रधानमंत्री ने साल 2017 में मोकामा में आयोजित एक समारोह में इस ब्रिज की आधारशिला रखी थी. अब यह ब्रिज बनकर तैयार हो गया है, जिसका उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा 22 अगस्त को किया जायेगा.साल 2015 में पीएम ने की थी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2015 में बिहार के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें औंटा घाट से सिमरिया के बीच 6 लेन नए गंगा ब्रिज के निर्माण की योजना शामिल थी. प्रधानमंत्री ने साल 2017 में मोकामा में आयोजित एक समारोह में इस ब्रिज की आधारशिला रखी थी. अब यह ब्रिज बनकर तैयार हो गया है, जिसका उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा 22 अगस्त को किया जायेगा।

युवाओं को रोजगार, बुजुर्गों को पेंशन और बच्चों को मुफ्त शिक्षा : प्रशांत किशोर

एजेंसी। पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत समस्तीपुर जिले के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के बिथान स्थित गांधी मैदान में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू यादव के परिवार पर निशाना साधा।प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोगों ने पीएम मोदी को मंदिर और नीतीश कुमार को जाति के नाम पर वोट दिया, लेकिन इसके बावजूद युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने बताया कि बिहार के कई युवा इंटर, ग्रेजुएशन पास होने के बावजूद नौकरी नहीं पा रहे हैं और गुजरात-महाराष्ट्र में मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि लोग 56 इंच सीना दिखाने के लिए वोट देते हैं, लेकिन उनके अपने बच्चों का

भविष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार, कोई नेता आपके बच्चों की चिंता नहीं करेगा, इसलिए लोगों को अपने बच्चों के भविष्य के लिए ही निर्णय लेना चाहिए।उन्होंने लालू परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि लालू जी का बेटा 9वीं पास भी नहीं है, लेकिन सत्ता चाहता है, जबकि बिहार के पढ़े-लिखे बच्चे नौकरी नहीं पा रहे। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने समस्तीपुर की जनता को बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि अगर जन सुराज की व्यवस्था वाली सरकार बनी तो छठ के बाद बिहार के युवाओं को मजदूरी करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें यहीं बिहार में ही 10-12 हजार रुपये का रोजगार मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी।

पटना के छोटी सोन नहर में पलटी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो, मां-बेटी की मौत

पटना। पटना के पालीगंज में छोटी सोन नहर के पास एक स्कॉर्पियो के अनियंत्रित होकर पलट जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई। यह दुर्घटना महाबलीपुर के पास हुई, जिसमें दो अन्य लोग घायल भी हो गए, जिन्हें पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान सायरा खातून और उनकी बेटी रुकसाना परवीन के रूप में हुई है। घायलों में मो हैदर आलम और मो एहसान अंसारी शामिल हैं, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है। मृतक रुकसाना के पति मो सरफराज आलम ने बताया कि उनका परिवार बेतिया से औरंगाबाद जिले के नवीनगर जा रहा था। इसी दौरान महाबलीपुर के पास स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही पालीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पालीगंज अस्पताल में मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया गया। इस दुर्घटना से परिवार में शोक की लहर है। पालीगंज अनुमंडल डीएसपी 1 राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत पहुंची और स्कॉर्पियो में सवार सभी घायलों को पालीगंज अस्पताल लाया, जहां दो महिलाओं को मृत घोषित किया गया।

अपहरण के 6 घंटे बाद 12 साल के बच्चे को पटना पुलिस ने किया बरामद

15 लाख की फिरौती के लिए जीजा ने किया था अगवा

एजेंसी। पटना

पटना से सटे फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर के 12 साल के बेटे का अपहरण कर लिया गया था। इस मामले का पुलिस ने महज 6 घंटे के भीतर खुलासा किया है। अगवा बच्चे को सकुशल बरामद किया गया है। पुलिस ने अपहर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। 15 लाख रुपए के लिए जीजा ने साले का अपहरण किया था। इस बात की जानकारी वेस्ट एसपी भानु प्रताप सिंह ने मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि बच्चे का अपहरण उसके जीजा ने ही की थी। कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने साले को निशाना बनाया। हालांकि इसमें वो कामयाब नहीं हो सका। पुलिस ने जांच के दौरान उसे धर दबोचा और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। घटना 16 अगस्त 2025 की है जहां फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र से 12 वर्षीय बच्चे का अपहरण

किया गया था। इस संबंधमें कांड संख्या-1340/25, धारा-137(2) भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एसआईटी का गठन कर मामले की अनुसंधान शुरू की। जिसके बाद अगवा बच्चे को बरामद किया गया। बच्चे ने बताया कि उसके सगे जीजा रमेश रंजन ने फोन कर उसने नानी के घर चलने को कहा था। कहा था कि चलो नानी घर घूमकर आते हैं। बच्चेको जीजा ने पहने अपने घर पर बुलाया। उसके बाद गाड़ी में बिठाकर नानी घर के लिए रवाना हुए। इसी दौरान रास्ते में बच्चे को क्लोरोफॉरम सुंघाकर बेहोश करने की कोशिश की। बच्चे का आरोपी जीजा रमेश रंजन ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। रमेश रंजन का एक श्र बरामदगी के बाद बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसके सगे ममेरे जीजा रमेश रंजन ने फोन कर नानीघर घूमाने के बहाने उसे घर

पटना में महिला से सामूहिक दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

पालीगंज। पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र के एक गांव में शौच के लिए गई महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 15 अगस्त की देर रात पीड़िता गांव के बाहर खेत में शौच करने गई थी। इसी दौरान तीन युवकों ने जबरन उसका रास्ता रोककर बारी-बारी से दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने घर लौटकर परिजनों को घटना की जानकारी दी और फिर थाने पहुंचकर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना पश्चिम के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह के निर्देश पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अरवल जिले और दुल्हिनबाजार इलाके से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार में बिजली गिरने और तेज हवा की चेतावनी

21 अगस्त से बारिश में बढ़ोतरी के संकेत

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना में रविवार को आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, वहीं जिले के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश भी हो सकती है। इसके विपरीत, शनिवार को पटना में सुबह से ही तेज धूप रही और तापमान में बढ़ोतरी हुई। मुजफ्फरपुर समेत कई इलाकों में अगले दो दिनों तक बारिश का पूवार्नुमान है, लेकिन वर्षा गतिविधि में कमी के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पटना में अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले दिनों की तुलना में क्रमशः 0.6 और 0.8 डिग्री अधिक है। वहीं, राज्य के नौ जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज में रविवार को बिजली गिरने, ठनका पड़ने और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है, जिससे सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 21 अगस्त से फिर बारिश की गतिविधि बढ़ने की उम्मीद है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि हो सकती है। मुजफ्फरपुर में मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून का प्रभाव बना हुआ है, हालांकि यह पिछले सप्ताह की तुलना में कमजोर पड़ गया है। इसके बावजूद जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।आगामी दो दिनों तक सुबह की नमी लगभग 100 प्रतिशत और दोपहर में 65 से 70 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। तापमान की बात करें तो अधिकतम 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 से 29 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। इस दौरान पुरवा हवा चलने से उमस भरी गर्मी का अनुभव होगा। मंगलवार से हवा के रुख में बदलाव हो सकता है, जो मौसम में कुछ राहत दे सकता है।

सुभाषितम्

चोट मारने के लिए लोहे के गर्म होने की प्रतीक्षा न करें बल्कि इसे चोट मार-मार कर गर्म करें। -विलियम बी. स्प्रेग

नया आयकर बिल 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित-राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बन जायेगा

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर तेजी से बदलते परिपेक्ष में अगर तेजी से विकास की रफ्तार पकड़ता है तो, हर देश को अपना इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य परिवहन इत्यादि हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का लाभ लेकर उन्हें आधुनिक बनाना होगा, जिसके लिए पैसे की आवश्यकता होगी जो प्रतिवर्ष बजट के माध्यम से इंतजाम किया जाता है। भारत ने तो इन सभी उपायों पर तेजी से कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विजन 2047 को पूरा करने के लिए आम नागरिकों को आगे आकर टैक्स भरने के लिए जागृत किया जा रहा है, इसके लिए ही आयकर अधिनियम को छोटा व आसन बनाकर 11 अगस्त को लोकसभा में व 12 अगस्त 2025 को राज्यसभा में पारित करवा गया है, जिस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा और 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना व्यक्ति की गई है मेरी केंद्र व राज्य सरकारों से इस आर्टिकल के माध्यम से अपील व सुझाव है कि करों की प्रक्रिया व शर्तों को आसान बनाकर टैक्स देने वालों

की संख्या में वृद्धि तो होगी परंतु यह अधिक मात्रा में आया हुआ टैक्स अगर रेवड़ियां बांटने में निकल जाता है तो, विकास की रफ्तार को ढीला कर देता है इसलिए रेवड़ियां बांटने पर लगाम लगाने के लिए 31 अगस्त 2025 तक चलने वाले इस मानसून सत्र में ही बिल बनाकर निचले व ऊपरी सदन में ध्वनि मत से या फिर इसी तरह 3-4 मिनट में ही पारित करा लिया जाता है तो कर दाताओं की मेहनत से कमाई गाढ़ी कमाई रेवड़ियां बांटने में नहीं जाएगी।चूंकि 64 वर्षों पुराना आयकर अधिनियम 1961 को अब अनावस शब्दों धाराओं अध्यायों को हटाकर अब छोटा व आसान बनाया गया है, इसलिए, आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे नया आयकर बिल 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित-राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से अब कानून बन जाएगा-करोड़ों करदाताओं पर होगा सीधा असर! साथियों बात अगर हम नए आयकर विधेयक 2025 को पारित करने की पूरी थियोरी की करें तो,केंद्रीय वित्त मंत्री ने पिछले हफ्ते लोकसभा से आयकर विधेयक, 2025 के पुराने मसौदे को औपचारिक रूप से वापस ले लिया था इस बिल का अपडेटेड वर्जन आज पेश किया गया था। लोकसभा की प्रवर समितिने लगभग 285 सिफारिशें की थीं और पिछले महीने संसद को 4,500 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें विधेयक में सुधार का प्रस्ताव दिया गया। बता दें कि मूल विधेयक फरवरी में संसद के बजट सत्र के दौरान पेश किया गया था। विधेयक में मौजूदा कानून के अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया गया है और 1961 के आयकर अधिनियम में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गयी है। नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है। विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति के बीच वित्तमंत्री ने कहा कि ये बदलाव केवल सतही नहीं हैं। वे टैक्स प्रशासन के प्रति नए और सरलीकृत दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। यह अधिक संक्षिप्त और अधिक केंद्रित कानून है, जिसे पढ़ने, समझने और लागू करने में आसानी होगी।कहा जा रहा है कि यह नया इनकम टैक्स बिल 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसे तैयार करने में काफी समय लगा है। इसके साथ ही डिजिटल युग की जरूरतों के अनुसार इसे ढाला गया है। वहीं प्रीवियस ईयर और असेसमेंट ईयर जैसे ऑप्शन को खत्म टैक्स ईयर कॉन्सेप्ट शुरू किया जाएगा।वित्त मंत्री ने कहा कि 1961 का आयकर अधिनियम में दशकों तक संशोधन किया गया। इसमें कई जटिलताएं है। यह काफी पुराना हो गया था।ऐसे में एक नए बिल की जरूरत महसूस की जा रही थी। नए बिल को आधुनिक अर्थव्यवस्था के तहत बनाया गया है। नए कानून में भाषा को सरल बनाया गया है ताकि आम टैक्सपेयर्स इसे आसानी से समझ सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नए कानून में इनकम टैक्स दरों में कोई बदलाव नहीं होगा।(1) इस नए बिल को 536 धाराओं और 16 अनुसूचियों में व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि इसे समझना और पढ़ना दोनों आसान हो।(2) शून्य टीडीएस प्रमाणपत्र की सुविधा मिलेगी। (3) डिविडेंड में कटौती को लेकर सेक्शन 80 एम की फिर से शुरूआत की जाएगी।(4) आईटीआर फाइल चाहे डेडलाइन के बाद किया हो, लेकिन रिफंड मिलने में परेशानी नहीं होगी। (5) ऐसे सभी क्लास को हटाया जाएगा, जो इसे सपोर्ट नहीं करते (6) ऐसी बिजनेस प्रॉपर्टी जिनकाइस्तेमाल न?? हो रहा हो? या लंबे से खाली हो?,उन?पर टैक्स नहीं लिया जाएगा।सहित और भी ऐसे कई प्रावधान हैं,जो करदाताओं के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम इस नए आयकर अधिनियम 2025 को पारित करने में काफी जद्दोजहद की करें तो,बता दें कि साल 2010 में प्रत्यक्ष कर संहिता विधेयक,2010 संसद में पेश किया गया था। इसे जांच के लिए स्थायी समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, 2014 में सरकार बदलने के कारण विधेयक निरस्त हो गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार (7 फरवरी, 2025) को नए इनकम टैक्स बिल को मंजूरी दे दी, यह बिल छह दशक पुराने आईटी अधिनियम की जगह लेगा। नया बिल इनकम टैक्स से जुड़े उन सभी संशोधनों और धाराओं से मुक्त होगा जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। साथ ही भाषा ऐसी होगी कि लोग इसे टैक्स एक्सपर्ट की सहायता के बिना समझ सकें। इस बिल में प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे। इससे मुकदमेबाजी कम करने में भी मदद मिलेगी और इस तरह विवादित टैक्स डिमांड में कमी आएगी। चूंकि बजट में माननीय वित्तमंत्री ने घोषणा की थी कि एक सप्ताह के भीतर एक नया आयकर अधिनियम 2025 लाया जाएगा, इसलिए ही आज दिनांक 7 फरवरी 2025 को देर रात्रि केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी थी, फिर संसदीय स्थाई समिति के पास भेजा गया था। नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे।

लोकतंत्र को छोड़ कहीं राजतंत्र की ओर तो नहीं जा रहे हम?

लोकतंत्र में नागरिक और सरकार के बीच भरोसा सबसे महत्वपूर्ण आधार होता है। यह भरोसा तभी कायम रह सकता है, जब सरकार नागरिकों की स्वतंत्रता और निजता की रक्षा करे। मतदान के जरिये नागरिक अपने अधिकार निर्वाचित प्रतिनिधि को देता है, निर्वाचित व्यक्ति संसद, विधानसभा एवं स्थानीय संस्थाओं में मतदाताओं के अधिकारों का उपयोग करते हुए नीतियां बनाने के लिए मतदान करता है। अपने मतदाताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुमत के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। हाल के समय में जिस तरह से कानून संसद और अनेक विधानसभाओं में पारित किए जा रहे हैं, वह हल्ले के बीच बिना चर्चा के कानून बना रहे हैं। यह स्थिति 75 वर्षों में सबसे चिंतनीय है। कानून में बदलाव कर सरकार को नागरिकों के निजी डेटा तक बिना अनुमति पहुंचने का अधिकार दिया गया है। उसने मतदाता के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। अब स्थिति यह है, सरकार आपकी अनुमति के बिना आपके ईमेल, सोशल मीडिया अकाउंट, बैंकिंग ऐप, मोबाइल चैट, क्लाउड स्टोरेज और व्यक्तिगत तस्वीरों एवं सभी निजी जानकारी तक सरकार और उसके नुमाइंदे पहुंच सकते हैं। यह केवल तकनीकी निगरानी नहीं है, बल्कि पासवर्ड और एन्क्रिप्शन तोड़ने का अधिकार भी सरकार और उनके अधिकारी, कर्मचारियों को मिल गया है। इसका सीधा मतलब है, नागरिक का निजी जीवन और निजता के जो संवैधानिक अधिकार हैं, अब वह सरकार के रहमो-करम पर रहेंगे। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। 2017 में भुता स्वामी बनाम भारत सरकार के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था, निजता नागरिकों के मौलिक अधिकार में शामिल है। इसके बावजूद, इस तरह का कानून पारित होना न केवल संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नागरिकों के अधिकारों के लिए भी खतरे की घंटी है। इस प्रावधान का दायरा केवल कर चोरी रोकने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका राजनीतिक उपयोग कर विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए भी किया जा सकता है। इस अधिकार का दुरुपयोग भ्रष्टाचार के लिए होगा। जब सरकार के पास किसी व्यक्ति के वित्तीय लेन-देन, निजी बातचीत और संवेदनशील दस्तावेजों की जानकारी होगी, तो चरित्र हनन और ब्लैकमेल की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। सामाजिक एवं पारिवारिक अशांति का कारण भी बनेगा। डेटा सुरक्षा के मामले में हमारा रिकॉर्ड पहले ही कमजोर रहा है। 2018 में आधार डेटा लीक, उससे पहले व बाद में कई तरह के डेटा लीक होने की घटनाओं ने यह साबित किया है, कि सरकारी सिस्टम मजबूत नहीं हैं। डेटा लीक होने के बाद लापरवाही के लिए किसी को दंडित नही किया गया है। डेटा को खुलेआम बेचने के भी मामले सामने आये हैं। सरकार और उसकी एजेंसी संवेदनशील जानकारी की पूरी तरह रक्षा कर सकें, इसमें वे सक्षम नहीं हैं। ऐसे में नागरिकों की गोपनीय जानकारी पर असीमित और बिना न्यायिक अनुमति के अधिकार देना नागरिकों के अधिकारों और निजता के लिए एक गंभीर जोखिम हो गया है। संवैधानिक एवं लोकतान्त्रिक स्वतंत्रता केवल वोट देने के अधिकारों का नाम नहीं है। यह व्यक्ति की गरिमा, उसकी निजता और उसके जीवन की स्वायत्तता पर भी लागू है। यदि इन बुनियादी तत्वों को कमजोर किया जाता है, तो नागरिकों की यह आजादी धीरे-धीरे एक ऐसे स्वरूप में बदल सकती है। जहां नागरिक सरकार के भरोसे पर नहीं, बल्कि सरकार की मर्जी और कृपा पर जीवन बिताने को विवश होते हैं। इसे ही गुलामी कहा जाता है। वर्तमान में हर नागरिक को इस मुद्दे पर जागरूक और सजग रहना होगा। पहले हम राजा, महराजाओं के उसके बाद मुगलों, ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेजों के गुलाम रहे। स्वतंत्रता के पश्चात भारत के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मानव जीवन के जो अधिकार मिले थे, उस पर सरकार का नियंत्रण वैसे ही बढ़ता जा रहा है। जो गुलामी के समय था।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन में छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण वचन के साथ ईर्ष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक ह्यफ्रायडह्र का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी शृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वंद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वंद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भंवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भंवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य ह्यमौनह्र करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में बहुत वृद्धि हुई है जिसे अपनाने पर इच्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, ह्रदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित बोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

आवारा कुत्तों पर लगामः मानव जीवन पहले

- डॉ. सत्यवान सौरभ

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि हर इलाके से आवारा कुत्तों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर रखा जाए। प्रक्रिया में बाधा डालने वाले संगठनों या व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह आदेश बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। कुत्तों के हमलों और रेबीज जैसी घातक बीमारी के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। कोर्ट ने संतुलित समाधान सुझाया–कुत्तों को मारा नहीं जाएगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित आश्रयों में रखा जाएगा। यह मानव और पशु, दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम है। सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्णय, जिसमें हर इलाके से आवारा कुत्तों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया है, एक अहम और लंबे समय से प्रतीक्षित कदम है। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा–मानव जीवन और सुरक्षा पहले–जो इस मुद्दे पर चल रही बहस में एक निर्णायक रुख को दर्शाता है। यह फैसला न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के लिए भी एक चेतावनी है कि अब समय आ गया है जब भावनात्मक बहस से आगे बढ़कर व्यावहारिक समाधान अपनाया जाए। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या का अनुमान अलग-अलग राज्यों में भिन्न है, लेकिन कुछ रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग 1.5 से 2 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। यह संख्या केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि एक चेतावनी है–क्योंकि इनकी उपस्थिति सीधे तौर पर सार्वजनिक सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। पिछले एक दशक में आवारा कुत्तों के हमलों के मामले लगातार बढ़े हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि हर साल लगभग 17 से 20 लाख लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में बच्चे होते हैं, क्योंकि उनकी ऊँचाई और असुरक्षा के कारण वे कुत्तों के आसान निशाने बन जाते हैं। गंभीर बात यह है कि इन हमलों का नतीजा सिर्फ चोट तक सीमित नहीं रहता; रेबीज जैसी घातक बीमारी का खतरा हमेशा मौजूद रहता है, जिसकी वजह से हर साल हजारों जानें जाती हैं। पशु अधिकार संगठनों का तर्क है कि आवारा कुत्तों को मारना अमानवीय है और उन्हें भी जीने का अधिकार है। यह दृष्टिकोण सही है, लेकिन इसे उस समय तक ही मान्यता दी जा सकती है जब यह मानव जीवन को खतरे में न डाले। कोर्ट ने भी इसी संतुलन को साधते हुए कहा है कि कुत्तों को अंधाधुंध मारा न जाए, बल्कि उन्हें सुरक्षित स्थानों या आश्रयों में स्थानांतरित किया जाए। यहाँ सवाल उठता है–क्या हमारे नगर निकाय और पंचायतें इस चुनौती के लिए तैयार हैं? क्योंकि केवल आदेश देना काफी नहीं है; जमीन पर उसके क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित कर्मचारी और योजनाबद्ध रणनीति की आवश्यकता होगी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक कानूनी रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। कोर्ट ने साफ कहा है कि अगर कोई संगठन या व्यक्ति इस प्रक्रिया में बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसका मतलब है कि अब ह्यमानव जीवन बनाम पशु अधिकारह्र की बहस में कोर्ट ने स्पष्ट प्राथमिकता तय कर दी है। साथ ही, कोर्ट ने नगर निगमों और पंचायतों को यह जिम्मेदारी भी सौंपी है कि वे न केवल आवारा कुत्तों को हटाएँ, बल्कि उनकी देखभाल के लिए उचित व्यवस्था भी करें। यह आदेश एक तरह से प्रशासनिक तंत्र की क्षमता और ईमानदारी की भी परीक्षा है। रेबीज भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 59,000 लोग रेबीज से मरते हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा भारत से आता है। यह बीमारी 99% मामलों में कुत्तों के काटने से फैलती है और एक बार लक्षण प्रकट होने के बाद इसका इलाज संभव नहीं है। इसलिए, कुत्तों के काटने के मामलों को रोकना ही सबसे प्रभावी उपाय है। इसके अलावा, आवारा कुत्तों के झुंड अक्सर कचरे के ढेर पर भोजन खोजते हैं, जिससे कई तरह के संक्रमण और गंदगी फैलती है। यह शहरी स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयासों को भी प्रभावित करता है। यह समस्या सिर्फ प्रशासनिक नहीं है; इसमें समाज की भी बड़ी भूमिका है। लोग अक्सर धार्मिक या दया के भाव से आवारा कुत्तों को अपने घर के बाहर खाना डालते हैं। हालांकि यह भावना सराहनीय है, लेकिन यह कई बार कुत्तों के झुंड बनने और आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा देती है। अगर यह भोजन खुले में डाला जाए, तो इससे और कुत्ते आकर्षित होते हैं और स्थानीय आबादी के लिए खतरा बढ़ जाता है। समाज को समझना होगा कि करुणा और जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। अगर हम वास्तव में इन जानवरों की भलाई चाहते हैं, तो उन्हें संगठित तरीके से आश्रयों में पहुँचाना और उनका नसबंदी कार्यक्रम चलाना जरूरी है।

आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर नसबंदी अभियान चलाना होगा। प्रत्येक नगर और पंचायत में पर्याप्त संख्या में डॉग शेल्टर बनाए जाएँ, जहाँ उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सीय सुविधा मिले। लोगों को यह सिखाना जरूरी है कि कैसे कुत्तों से सुरक्षित दूरी बनाई जाए और उन्हें खुले में खाना न डालें। खुले में पड़ा कचरा आवारा कुत्तों का मुख्य आकर्षण है, जिसे नियंत्रित करना आवश्यक है। मोहल्ला स्तर पर निगरानी समितियाँ बनाई जा सकती हैं जो कुत्तों की गतिविधियों पर नजर रखें और प्रशासन को सूचित करें। कई देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए सफल मॉडल अपनाए हैं। उदाहरण के लिए, थाईलैंड में सरकार और ठ्ठह्वह्र ने मिलकर नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम चलाए, जिससे आवारा कुत्तों की संख्या और हमलों में भारी कमी आई।

सवालों के घेरे में : चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवालिया निशान....?

- ओमप्रकाश मेहता

एक प्रजातांत्रिक देश में चुनाव और निष्पक्ष न्याय ये दो प्रमुख तत्व काफी अहमियत रखते है और जब इन्ही के सामने सवालिया निशान खड़े किए जाए तो फिर प्रजातंत्र की मान्यता पर आंच आना स्वाभाविक है, आज इसी अजीब परिस्थिति से भारत गुजरने को मजबूर है। भारत के सभी विपक्षी दल इस संगीन आरोप पर एकमत है कि भारतीय न्याय पालिका और चुनाव आयोग दोनों ही निष्पक्षता की अग्निपरीक्षा में खरे नही उतर रहे है, दोनों ही प्रमुख अंगों पर सत्ता के इशारे पर काम करने का गंभीर आरोप है, यदि प्रजातंत्र को पवित्र रखने वाला उसका प्रमुख अंग न्याय पालिका गंभीर सवालों के घेरे में है और प्रजातंत्र की मुख्य कड़ी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर अंगुलिया उठाई जा रही है तो फिर प्रजातंत्र कैसे सही सलामत रह सकता है। कैसे प्रतिपक्षी दल किसी भी मुद्दें पर एकमत होते नही है, हर एक प्रतिपक्षी दल की ह्यअपनी ढपली-अपना रागह्र होता है, लेकिन इस बार यह किंवदती यहां असत्य साबित हो रही है, क्योंकि चुनावी शुद्धता के सवाल पर सभी प्रतिपक्षी दल एक साथ है और सभी एक स्वर से आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर रहे है और इस सवाल का जन्म बिहार के मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) की कोंख से हुआ है, प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस के शीर्ष नेता तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जहां खुलेतौर पर चुनाव आयोग को सत्तारूढ़ भाजपा का एजेंट बता रहे है वहीं उत्तरप्रदेश की प्रमुख विरोधी पार्टी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी राहुल गांधी के साथ खड़े नजर आ रहे है। कुल मिलाकर कांग्रेस व समाजवादी पार्टी दोनों के ही निशाने पर चुनाव आयोग है और उसकी शुद्धता पर तकरार छिड़ी है, राहुल गांधी ने जहां ह्यवोटचोरीह्र को मुख्य मुद्दा बना लिया है, वहीं अखिलेश यादव भी अपने प्रदेश में सीमित रहकर देशव्यापी मामले उठा रहे है। आज देश के राजनीतिक गलियारों में बिहार के भावी विधानसभा चुनाव और इसी के चलते मतदाता सूची में से लाखों मतदाताओं के नाम गायब कर देने के आरोपों को हवा देने का काम चल रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक भूमिका और भाजपा व मोदी से उनकी निकटता भी चर्चा का विषय बनी हुई है और इसी सवाल के साथ साम्प्रदायिकता को भी जोड़ दिया गया है, मुस्लिम वोटों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे है। अर्थात कुल मिलाकर इस प्रक्रिया द्वारा लोकतंत्र का खुलकर मजाक उड़ाने की तैयारी की जा रही है, क्या यह किसी प्रजातंत्रीय देश के लिए उचित माना जा सकता है? इसी मुद्दें पर इनदिनों देश की राजनीति काफी गर्म है, करीब तीन सौ सांसदों ने इसी मुद्दें पर संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च भी निकाला था, अर्थात शायद पहली बार सभी प्रतिपक्षी दल एकजुट हुए है तो वह चुनाव आयोग का कथित पक्षपात और मोदी का विरोध है। ....और यह सही भी परिलक्षित हो रहा है कि आजादी के बाद से अब तक के पचहत्तर वर्षों में पहली बार न्याय पालिका और चुनाव आयोग पर पक्षपात और सरकारी तंत्र बनने के गंभीर आरोप लगे है, सबसे बड़ा मुद्दा न्याय पालिका का है, जिस पर देश की जनता का पूरा भरोसा है।

आज का राशिफल

मेष प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन रही है और आपकी तरक्की होगी।

वृषभ दिन भाग्य के द्वार खोलेगा। विशेषकर यदि आप उच्च शिक्षा, विदेश यात्रा या सरकारी क्षेत्र में कार्यरत हैं।

मिथुन आज लाभ के योग हैं और आपको तरक्की के साथ कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क आज दिन लाभ से भरा होगा। साझेदारी के व्यापार या कंसल्टेंसी क्षेत्र में विशेष लाभ होगा।

सिंह कार्य आसानी से पूरे होंगे। किसी उच्च अधिकारी की कृपा या बड़े ग्राहक से लाभ की संभावना है।

कन्या जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, विशेषकर यदि आप स्वास्थ्य, शिक्षा या सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं।

तुला आज भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए आकस्मिक आर्थिक लाभ के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको ऑफिस में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

धनु समर्पण की सराहना होगी, जिससे आपको कोई नई जिम्मेदारी या बोनस प्राप्त हो सकता है।

मकर दिन मिलाजुला रहेगा और ऑफिस में सहकर्मियों या भाई-बहनों के साथ मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की सराहना होगी, जिससे आपको नई परियोजनाओं में भूमिका मिल सकती है।

मीन धन लाभ के अच्छे योग हैं, विशेषकर यदि आप आयकर, बैंकिंग, बीमा या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े हैं।

विशेष

राहुल गांधी के आक्रामक तेवर से विपक्षी नेता हैरान?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दोनों बहुत आक्रामक मुद्रा में है। विपक्षी दलों के नेताओं को शिकायत है। राहुल गांधी विपक्ष का स्पेस अकेले ही लेते जा रहे हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव के पहले सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण में राहुल गांधी ने जिस तरीके से लीड ली है। उससे सभी विपक्षी दलों को चौंका दिया है। विपक्षी दल हर हालत में राहुल गांधी के पीछे चलने के लिए विवश हैं। जिस तरह से राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही है।उससे उन्हें तकलीफ हो रही है। जो रिस्क राहुल गांधी ले रहे हैं। वह विपक्षी दल के नेता क्यों नहीं ले रहे हैं।जो लड़ेगा, वही जीतेगा। डरने और भय खाने से तो कुछ मिलने वाला नहीं है। इसे भी विपक्षी दलों को समझना होगा।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव चर्चाओं में

चुनाव आयोग और सरकार की संगामित्ती को लेकर इन दिनों राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सक्रिय हैं। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट मैं हुई गड़बड़ी को सबूत के साथ उजागर किया है। जिस तरीके से उन्होंने प्रेजेंटेशन दिया है। उसकी सारी दुनिया में प्रशंसा हो रही है। बिहार में तेजस्वी यादव ने मोर्चा संभाल रखा है।300 सांसदों के मोर्चे में जिस तरह से अखिलेश यादव ने बेरिकेटस लांघ कर अपनी इमेज बनाई है। उसकी चर्चा सारे देश में हो रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1577: फ्रांस में छठा धर्मयुद्ध समाप्त हुआ. 1743: रूस और स्वीडन के बीच संधि हुई जिससे क्यूमेन नदी तक का क्षेत्र रूस को मिल गया. 1850: ब्रिटेन ने अफ्रीका में गोल्ड कोस्ट के किले डेनमार्क से खरीद लिए. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों ने सिसली इटली पर पूरा नियंत्रण कर लिया. 1947: पहली ब्रिटिश टुकड़ी भारत से वापस गई. 1949: इंडोनेशिया गणतंत्र घोषित. 1964: फिलीपींस मिडांनाओ द्वीप पर भूकंप से आठ हजार से अधिक लोग मारे गए. 1985: पूर्वी बेरूत में एक वाहन में विस्फोट से पचास लोग मारे गए तथा 80 अन्य घायल हो गए. 1987: पूर्व नाजी उप प्रमुख रूडोल्फ हेस का निधन हुआ. 1988: पाकिस्तान के राष्ट्रपति जियाउल हक और अमरीकी राजदूत अर्नाल्ड राफेल विमान दुर्घटना में मारे गए.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.40 बजे से
चंद्र	वृष में	कन्या	07.52 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.03 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.17 ब.से
गुरु	मिथुन में	धन	14.33 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.39 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.58 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.28 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	वृष	23.08 बजे से
		मिथुन	01.07 बजे से
		कर्क	03.20 बजे से

2025 वर्ष का 229 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** नवमी 19.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 03.18 बजे को रात समाप्त। **योग** व्याघात 01.40 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.29 बजे तदनन्तर गर 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872439
जूलियन दिन 2460904.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 22
विशेष सिंह संक्रांति, मलयालम नव वर्ष, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagratidaur.com, Bangalore

नशा मुक्त भारत अभियान पर कार्यशाला

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम के गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में शनिवार को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गयी। इसका उद्घाटन प्रो विकास महतो, एनएसएस को-ऑर्डिनेटर और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष ने किया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं को गलत राह पर ले जाकर परिवार और समाज को प्रभावित करता है। प्रो प्रवीण सिंह ने आध्यात्म को नशा से बचाव का साधन बताया। डीके सेन ने युवाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय होने की अपील की। प्रो त्रिवेणी ने छात्रों को देश की प्रगति की ताकत बताते हुए जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। कार्यशाला को भोला नाथ राम, रवि कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल जी : राज सिन्हा

धनबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर धनबाद विधायक सह विधानसभा के सचेतक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय जगजीवन नगर में कार्यक्रम आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भाजपाइयों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर विधायक ने कहा कि अटल जी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम माना और 'सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय' की सोच को अपने जीवन में उतारा। विधायक ने कहा कि अटल जी न केवल एक सर्वमान्य नेता थे, बल्कि एक उत्कृष्ट कवि, विचारक और पत्रकार भी रहे। उन्होंने झारखंड राज्य का निर्माण कर यहां के विकास की नींव रखी। अटल जी के कार्यकाल में ही स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी ऐतिहासिक योजनाएं शुरू हुई। इससे देश की आधारभूत संरचना को मजबूती मिली। विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि पोखरण में परमाणु परीक्षण कर अटल जी ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा किया। वे सच्चे अर्थों में राष्ट्रनायक थे, जिनका जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अटल जी के बताए मार्ग पर चलकर देश और समाज की सेवा करें। उन्होंने कहा कि अटल जी की विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी उनके कार्यकाल में थी। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा। मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीसी ने नेताजी आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त आदित्य रंजन ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, यादवपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के बच्चों के साथ भोजन करते हुए उनके भविष्य के योजनाओं पर चर्चा की। बच्चों ने उपायुक्त के समक्ष रेलवे और पुलिस की नौकरी में जाने की इच्छा जतायी। उपायुक्त के पूछने पर बच्चों ने बताया के उन्हें अपने घर से ज्यादा विद्यालय में अच्छा लगता है। बच्चों के साथ उपायुक्त ने लंच की। बच्चों के बीच उपहार का भी वितरण किया। उन्होंने विद्यालय में शेष कार्य को जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया, ताकि बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सके। डीइओ अभिषेक झा व डीएसइ आयुष कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए विद्यालय को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान गोविंदपुर के बीइओ सहदेव महतो, विनोद पांडेय, समग्र शिक्षा अभियान के एडीपीओ आशीष कुमार, अभियंता विनय कुमार, एपीओ अशोक पांडेय, वार्डन मो आरिफ, उज्ज्वल तिवारी, रजिया सुलतान, अपर्णा दास, लखन प्रसाद, राजीव दुबे, कविता कुमारी, सरिता कुमारी, मो सरफुद्दीन, ब्रजेश भट्ट, प्रकाश मिश्रा, सोनू सिंह, रामकुमार आर्य, दीपक कुमार, पंकज कुमार आदि थे। 13 अगस्त को यह विद्यालय अपने नये भवन यादवपुर में शिफ्ट हुआ है। वर्ष 2011 में यह विद्यालय अनाथ आवासीय विद्यालय के नाम से शुरू हुआ था। 2016 में तत्कालीन राज्यपाल एवं वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विद्यालय का भ्रमण किया था। उसके बाद विद्यालय का नाम इंद्रधनुष आवासीय विद्यालय हुआ। 2020 में इसका नाम समर्थ आवासीय विद्यालय किया गया और 2023 से यह विद्यालय नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के नाम से जाना जाने लगा और 2025 में यह अपने भवन में स्थापित हुआ।

रिकवरी एजेंट के समर्थकों ने करकेंद खटाल पर किया पथराव

धनबाद, एजेंसी। करकेंद में फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंटों द्वारा जबरन सचिन यादव की बाइक पकड़ने पर जमकर हंगामा हुआ। पासी धौड़ा के रिकवरी एजेंट समर्थकों ने रात आठ बजे करीब 20 की संख्या में करकेंद खटाल पर पथराव कर दिया। करीब आधा घंटे तक खटाल के खपरैल घरों पर पत्थर बरसते रहे। इससे भगदड़ मच गयी। महिलाओं व बच्चों ने दूर दूसरे घरों में पनाह ली। पत्थरबाजी से अर्जुन यादव, सूरज यादव, जितेंद्र यादव, मिथलेश यादव, अरुण यादव, रणजीत यादव की छत क्षतिग्रस्त हो गयी। घटना की खबर मिलते ही पुटकी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर वकार हुसैन पुलिस टीम के साथ खटाल पहुंचे व स्थिति को नियंत्रित किया। वह पीड़ितों से भी मिले। इसके पूर्व सभी हमलावर भाग चुके थे। बताया जाता है कि सचिन की बाइक की किस्त बाकी होने के नाम शनिवार की शाम करीब चार बजे फाइनेंस कंपनी के निजी रिकवरी एजेंटों ने बाइक पकड़ ली। बाइक सचिन के भाई के नाम से रजिस्टर्ड है। सचिन ने कहा कि बाइक की किस्त बाकी नहीं है।

एटीएस के रडार पर बड़े अपराधियों के करीबी, एक दर्जन लोगों को भेजा गया नोटिस

रांची, एजेंसी। एटीएस की टीम ने झारखंड के आधा दर्जन से अधिक कुख्यात अपराधियों की काली कमाई पर अपनी नजर गड़ा दी है। अब झारखंड के संगठित अपराधिक गिरोहों की कमाई से अमीर बनने वाले और बेहिसाब संपत्ति बनाने वाले से एटीएस ने उनकी कमाई का हिसाब मांग दिया है। जो अपनी कमाई का हिसाब नहीं दे पाएंगे उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी।

अमन श्रीवास्तव, सुजीत सिन्हा, प्रिंस खान, डब्लू सिंह, मयंक सिंह और विकास तिवारी जैसे गैंगस्टर्स की काली कमाई को कारोबार में लगाने वाले सफेदपोश, गैंगस्टर्स के करीबी और रिश्तेदार बड़े संकट में फंस गए हैं। झारखंड में सक्रिय संगठित अपराधी गिरोह पर लगाम लगाने के लिए झारखंड एटीएस के साथ साथ कई एजेंसियां उनके आर्थिक मजबूती को तोड़ने में लगी हुई है।

इसी कड़ी में झारखंड एटीएस ने दस से ज्यादा लोगों की पहचान कर ली है जो झारखंड के संगठित आपराधिक गिरोहों की कमाई को अपने कारोबार में लगा रहे हैं और उसका मुनाफा अपराधियों तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे चिन्हित लोगों को झारखंड एटीएस की तरफ से नोटिस भेजा गया है और उनसे उनकी संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। अब उन तमाम लोगों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना होगा, उन्हें यह साबित करना होगा की उन्होंने जो संपत्ति बनाई है उसमें उनके क्रिमिनल रिश्तेदार का कोई हाथ नहीं है। अगर वे इसे साबित नहीं कर पाएंगे तो नए कानून के अनुसार उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी।

झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि अपराधियों के काली कमाई का निवेश करने वाले लोगों की सूची बना कर उन्हें नोटिस किया जा रहा है। नोटिस मिलने के बाद चाहे गैंगस्टर के परिवार वाले हो या फिर उनके नजदीकी दोस्त या फिर बिजनेसमैन, उन सबको खरीदी गई संपत्ति और किए गए निवेश को लेकर पुख्ता सबूत देने होंगे। अगर वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो नए कानून के हिसाब से तीन साल की सजा तो है ही सारी संपत्ति भी जब्त की जाएगी।

झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा के अनुसार नए आपराधिक कानून में बीएनएस की सेक्शन 111 के सब सेक्शन छह में यह प्रावधान है कि अगर किसी के भी द्वारा या ऑर्गेनाइजेशन क्राइम के द्वारा किसी दूसरे के नाम पर भी प्रॉपर्टी ली गई है तो उसमें पुलिस उन्हें नोटिस देगी। जिस व्यक्ति को यह नोटिस जाएगा उसे यह प्रूफ करना होगा कि उनकी संपत्ति में किसी भी तरह के ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के द्वारा कमाए गए पैसों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। अगर नोटिस मिलने वाले व्यक्ति के द्वारा यह प्रूफ नहीं किया गया तो उसकी संपत्ति को तो अटैच किया ही जाएगा साथ इसमें 3 साल की सजा का भी प्रावधान है।

झारखंड में संगठित आपराधिक गिरोह के गतिविधियों पर ब्रेक लगाने के लिए अब सभी वैसे गैंग्स के प्रमुखों से लगातार पूछताछ की जा रही है। इस पूछताछ में गैंग्स के कई तरह की संपत्तियों की जानकारी एटीएस को हासिल हुई है। हाल में ही कुख्यात अमन साव और सुजीत सिन्हा से पूछताछ कर कई जानकारियां हासिल की गई है। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।झारखंड के कुख्यात अमन श्रीवास्तव, सुजीत सिन्हा, डब्लू सिंह और प्रिंस खान जैसे कई दुर्दांत अपराधियों की करोड़ों की संपत्ति का पता एटीएस को मिल चुकी है। अब धीरे धीरे उन्हें जब्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके तहत जो संपत्तियां अपराधियों के नाम पर हैं उसे सीधे तौर पर जप्त किया जाएगा जबकि जो संपत्ति उनके रिश्तेदारों के नाम पर हैं वैसे लोगों को नोटिस के जरिये ये बताना होगा की संपत्ति लीगल है या अवैध है।

ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर युवक से 15.42 लाख की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

रांची, एजेंसी। पुलिस के द्वारा साइबर ठगी को लेकर तमाम तरह के जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद लोग कोई न कोई लालच में फंसकर साइबर ठगों के हाथों अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं। रांची में दो दिनों के भीतर दो लोगों से अलग-अलग तरीके से लाखों की ठगी कर ली गई।

रांची के होटवार इलाके के रहने वाले अजय गाड़ी को साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर 15।42 लाख रुपए की ठगी कर ली। इस संबंध में अजय ने साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। अजय गाड़ी की ओर से थाने में दिए गए आवेदन में कहा गया कि ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर एक व्यक्ति ने उन्हें टेलीग्राम एप से जोड़ा और 27 जुलाई से दो अगस्त के बीच उन्हें कई टॉस्क दिए गए। साथ ही छोटे मोटो मुनाफा भी दिया गया। इस बीच बड़ा लाभ देने का झांसा देकर उनसे बड़ी रकम की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने 15 लाख के करीब रुपये ट्रांसफर कर दिया। जैसे ही उन्होंने पैसे दिए, पैसे लेने वाले व्यक्ति ने अपना फोन बंद कर दिया। उन्हें न तो मुनाफा दिया गया और न ही राशि लौटाई गई। इसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। वहीं, दूसरी तरफ राजभवन के समीप रहने वाले सरोज कुमार से साइबर अपराधियों ने रिफंड का झांसा देकर उनके खाते से 95 हजार रुपए की ठगी कर ली। इस संबंध में सरोज कुमार ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।सरोज ने पुलिस को बताया कि एप के जरीए एक ट्रीप को वह कैंसिल कराया था, लेकिन राशि नहीं वापस हुई थी। जिसकी वजह से उन्होंने एक मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उसने रिफंड का झांसा देकर उनके खाते की जानकारी ली। कुछ देर बाद उनके खाते से दो बार में 95 हजार रुपए की राशि की अवैध निकासी कर ली गई। इसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। इधर, मामला दर्ज होने के बाद साइबर थाने की टीम दोनों ही मामलों की तफ्तीश में जुट गई है।

सपरिवार रजरप्पा मंदिर पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन, दामोदर नदी में करेंगे अस्थि विसर्जन

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज रविवार को सपरिवार रजरप्पा मंदिर पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन पिता शिबू सोरेन की अस्थियों का विसर्जन करने रजरप्पा मंदिर पहुंचे हैं। यहां दामोदर नदी में सीएम पिता की अस्थियां बहाएंगे। पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अस्थि विसर्जन दामोदर नदी में किया जायेगा। इसके बाद संथाली रीति-रिवाज से कई अन्य परंपराओं का भी निर्वहन किया जायेगा।

श्राद्ध कर्म समाप्त होने के बाद आज रविवार को 12 दिनों बाद सीएम सपरिवार नेमरा से निकलें हैं। रजरप्पा मंदिर में सीएम के साथ उनके छोटे भाई बसंत सोरेन, उनके पुत्र और परिवार के अन्य सदस्य हैं। मालूम हो कल शनिवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में उनके संस्कार भोज का आयोजन किया गया। लाखों की संख्या लोग गुरु जी को श्रद्धांजलि देने नेमरा पहुंचे थे।

रामदास सोरेन : इन योजनाओं से बनाई थी अपनी अलग पहचान, 100 नए उत्कृष्ट विद्यालय बनाने का सपना रह गया अधूरा

रांची, एजेंसी। एक ओर जहां पूरा राज्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक मना रहा है तो दूसरी ओर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन ने दोहरी मार दी है। उनके निधन पर शिक्षा जगत के साथ साथ पूरे राज्य में शोक की लहर है।

विभिन्न समुदाय के लोगों ने दुख व्यक्त करते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया है। बता दें कि रामदास सोरेन सरल सहज सौम्य विचार के धनी थे, अल्प समय में ही शिक्षकों के प्रति हमेशा अभिभावक भाव रखने के साथ-साथ शिक्षा व शिक्षक हित में तत्पर रहे।

जिसका परिणाम यह रहा है कि अपने कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसी घोषणाएं की जो क्रियान्वित तो हुई लेकिन कई धरातल पर उतर नहीं सकी है। गत दिनों उन्होंने 100 नए उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की परिकल्पना की थी, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि अब ग्रामीण स्तर पर भी सरकारी विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था बेहतर हो पाएगी लेकिन उनका यह सपना उनके रहते पूरा नहीं हो पाया।

इस संबंध में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में वह बड़ा परिवर्तन करने जा रहे थे। 100 उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना के अलावे शिक्षकों की बहाली के लिए भी प्रयासरत थे। उन्होंने कहा कि कई बार तो शिक्षा मंत्री ने सहज रूप से विभागीय कमजोरी को भी

स्वीकार कर बेहतर करने की मंशा जाहिर की थी।

कहा कि रामदास सोरेन एक संघर्षशील नेता थे। मामूली कार्यकर्ता से लेकर विधायक और कैबिनेट मंत्री तक का सफर आदिवासी समाज की उम्मीदों को साथ लेकर तय किया। उनकी कहानी आदिवासी नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका की मिसाल है।

स्कूल रूआर बैक टू स्कूल कैंपेन- स्कूल रूआर 2025 अभियान (बैक टू स्कूल कैंपेन) ने राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में पठन पाठन को नई दिशा दी। इस अभियान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अप्रैल 2025 तक कुल 1 लाख 38 हजार 945 बच्चों का नामांकन कराया गया।

उन्होंने समीक्षा बैठक की स्वयं मॉनिटरिंग की और निर्देश दिया था कि हर हाल में ड्रापआउट बच्चों का नामांकन प्रतिशत बढ़ाया जाए। इस अभियान के तहत अप्रैल से मई 2025 में 5-18 वर्ष के सभी बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन, उपस्थिति और कक्षा परिवर्तन सुनिश्चित करने पर जोर दिया था।

शिक्षकों की नियुक्ति और तबादले की पालिसी में किया सुधार- मार्च 2025 तक लगभग 7,930 सरकारी स्कूल एक शिक्षक माडल पर चल रहे थे, जिसमें कुल 3।81 लाख छात्र छात्राएं हैं।

अफीम के खिलाफ ग्रामीणों ने फूंका बिगुल ! एसपी की मौजूदगी में हजारों ग्रामीणों ने ली शपथ

पलामू, एजेंसी। अफीम के खिलाफ हजारों ग्रामीणों ने बिगुल चुका है। अफीम की खेती के खिलाफ पलामू में हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने एक साथ शपथ ली है। पलामू के मनातू के इलाके में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। यह फुटबॉल टूर्नामेंट अफीम की खेती के खिलाफ आयोजित की गई थी। इसी टूर्नामेंट के फाइनल मैच में पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के मौजूदगी में हजारों की संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने अफीम के खिलाफ शपथ ली है और अभियान चलाने की बात कही है। 2024-25 में पलामू में 600 एकड़ से भी अधिक में अफीम की फसल को नष्ट किया गया है। अकेले मनातू के इलाके में 400 एकड़ के करीब अफीम के फसल को नष्ट किया गया है।

पलामू पुलिस ने अफीम की खेती के खिलाफ एक योजना तैयार किया है, जिसका नेतृत्व पलामू एसपी कर रही हैं। इस दौरान ग्रामीणों के साथ वैकल्पिक खेती के बारे में भी पुलिस जानकारी दे रही हैं और उन्हें जागरूक कर रही है। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि पुलिस का लगातार दूसरे वर्ष अभियान जारी है।

अभियान का नतीजा है कि कई लोगों ने खुद से ही अफीम की खेती को नष्ट किया था और उसका फोटो वीडियो पुलिस को उपलब्ध करवाया था। अफीम की खेती करना, उससे जुड़े हुए कारोबार करना है या किसी भी तरह की संपत्ति अर्जित करना दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार ग्रामीणों के बीच जा रही है और लोगों को जागरुक कर रही है। हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने अफीम की खेती के खिलाफ शपथ ली है। स्थानीय ग्रामीणों को भी जागरूकता अभियान से जोड़ा गया है।

एसपी ने बताया कि हर महीने डीसी के नेतृत्व में इनकॉर्ड की बैठक होती है। बैठक में अफीम की खेती से प्रभावित इलाके को लेकर एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। अफीम की खेती से प्रभावित इलाके में ग्रामीणों को वैकल्पिक खेती के बारे में जानकारी दी जाएगी। पलामू के हरिहरगंज समेत कई इलाकों में स्ट्रॉबेरी की खेती उदाहरण बनी है। ग्रामीणों को कैश क्रॉप और फ्रूट क्रॉप के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस संबंध में कृषि पदाधिकारी और उड़ान पदाधिकारी को निर्देश भी जारी किए गए है।

एसटी कमीशन करे सूर्या एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच, ये आदिवासी अस्मिता सुरक्षा और मानवाधिकार का मसला : दीपक प्रकाश

गोड्डा, एजेंसी। सूर्या हांसदा के एनकाउंटर को लेकर प्रदेश भाजपा लगातार सवाल उठा रही है। इसके साथ ही झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा भी इस मामले को लगातार उठा रही है। इसी कड़ी में अब इस मामले की जांच एसटी कमीशन से कराने की मांग भी उठी है। पिछले 11अगस्त को हुए पुलिस एनकाउंटर में मारे गए सूर्या हांसदा को लेकर भाजपा से राज्यसभा दीपक प्रकाश ने एसटी कमीशन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। इसे लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लाकड़ा को पत्र लिख कर सूचित किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राजयसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि झारखंड के आदिवासी युवा व प्रखर नेता सूर्या हांसदा को गोड्डा पुलिस ने कथित फर्जी एनकाउंटर मे हत्या कर दी है। यह घटना आदिवासी समाज के असहनीय पीड़ा देने वाली घटना है। यह कोई एक व्यक्ति की हत्या नहीं बल्कि आदिवासी अस्मिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा आघात है।

दीपक प्रकाश ने कहा कि सूर्या हांसदा के परिजन आज गहरे दुःख, असुरक्षा और अन्याय की वेदना में हैं। आदिवासी समाज आज न्याय और पार दर्शिता की उम्मीद से आपकी ओर देख रहा है। साथ ही कहा कि इस कृत्य ने कानून व्यवस्था और मानवाधिकार व आदिवासी सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। साथ ही आयोग से आग्रह किया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ ही पीड़ित परिवार को समुचित मुआवजा व सुरक्षा प्रदान की जाए।

बता दें कि इस मामले को भाजपा और छ्रुय्ररूके द्वारा लगातार मोर्चा खोल दिया गया है।

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम, भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी। खिलाड़ियों के चयन की खबर फैलते ही गुमला, रांची और हजारीबाग में खेल प्रेमियों में उत्साह देखा गया। स्थानीय लोग और खेल प्रेमी इन बेटियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जता रहे हैं।

रेलकर्मियों के लिए पांच नये निजी अस्पताल निबंधित : डीआरएम

धनबाद, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार को धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्र ने अपने कार्यालय के उद्यान में ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रध्वज को सलामी दी। रेल सुरक्षा बल एवं स्काउट्स एंड गाइड के परेड का निरीक्षण किया। समारोह में डीआरएम श्री मिश्र ने कहा कि धनबाद मंडल के ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन में गझंडी-कोडरमा-हीरोडीह-शर्माटांड़ (26।87 किमी) के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) चालू की गयी है। इससे लाइन की क्षमता बढ़ेगी।

इस वित्तीय अवधि में अत्यधिक बारिश के बावजूद मंडल से गुजरने वाली मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों की पंच्यूलिटी 90।2 प्रतिशत बनी रही। पाथरडीह एवं बरवाडीह वैगन सिक लाइन में वैगन पुनरुद्धार शुरू किया गया है। पाथरडीह सिक लाइन में सी-केटेगरी वैगनों के मरम्मत जारी है। पाथरडीह डिपो में 497 बोक्सन वैगनों का अनुरक्षण एवं 461 का पुनरुद्धार किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जुलाई के अंत तक 280 वर्ग मीटर भूमि में 49 हजार पौधे लगाये गये। वित्तीय वर्ष में 151 नवीनतम एलएचबी कोच प्राप्त हुए। कर्मचारियों

को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 11 निजी अस्पतालों के अनुबंध का विस्तार किया गया है। पांच नये निजी अस्पतालों को भी अनुबंधित किया गया है। मंडल अस्पताल में चार नए शिशु रेडिएंट वार्मर, एक नई फोटोथेरेपी मशीन तथा एक सी-एआरएम फ्लूरोस्कोप विथ मोटराइज़्ड मेकेनिकल मोशन स्थापित किये गये हैं। पैथोलॉजी विभाग में ऑटो-एनालाइजर स्थापित किया गया है। जुलाई 2025 तक विभिन्न पदों पर कार्यरत 1578 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया गया, जबकि 337 कर्मचारियों को एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया।

रेल मंडल के कलाकारों एवं स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोगों को मुग्ध कर दिया। आजादी एवं रक्षा से जुड़े जवानों के साहस व बलिदान से संबंधित नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। मौके पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन धनबाद अध्यक्षा प्रिया मिश्र सहित महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अन्य सदस्याएं, मंडल के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्र ने स्काउट एवं गाइड डेन तथा जैक एंड जील मोंटेशरी स्कूल में ध्वजारोहण किया। उन्होंने रेलवे अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण किया।

सोयाबीन के रोग एवं नियंत्रण

सोयाबीन में लगते हैं चालीस रोग

सोयाबीन में लगने वाले रोगों के कारण इसकी उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक की हानि होती है। रोग मुख्यत: फफूंद, जीवाणु, विषाणु एवं सूत्रकृमि द्वारा होता है। इसके साथ ही कुछ तत्वों की कमी से भी ये रोग उत्पन्न होते हैं. भारत में सोयाबीन पर 40 से अधिक रोग पाये गये हैं, लेकिन इनमें कुछ फसल को अधिक क्षति पहुंचाते हैं।

बीज एवं बीजांकुर के रोग

बीज विवर्णन

रोगी बीज के ऊपर राख या भूरे रंग के धब्बे पाये जाते हैं। रोगी बीज प्राय: सिकुड़े, छोटे एवं क्रांतिहीन हो जाते हैं।

बीज सड़न

बीज मुलायम होकर सड़कर नष्ट हो जाते हैं सड़े हुए बीजों पर हरे, नीले, काले एवं सफेद रंग की फफूंद दिखाई देती है। जीवाणु भी सोयाबीन में सड़न उत्पन्न करती है।

बीजांकुर विगलन

ग्रसित बीज अंकुरित तो हो जाते हैं और भूमि के ऊपर आने के पूर्व या निकलने के बाद उनके मूलांकर गहरे भूरे रंग के होकर विगलित होने लगते हैं और नष्ट हो जाते हैं।

बीज पत्रों के धब्बे

बीज पत्रों पर गोलाकार या अनियमित आकार के हल्के भूरे काले रंग के धब्बे बनते हैं। जिससे बीज पत्र गिर जाते हैं और पौधे की बढ़वार रुक जाती है।

रोकथाम

रोगी नियंत्रण हेतु स्वस्थ बीज बोना चाहिये क्योंकि संक्रमित बीज बोने पर बीज सड़न, बीजांकुर विगलन एवं बीज पत्र के धब्बे जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। भंडारण पूर्व भली-भांति सुखाकर, अच्छे बीज छांटकर बोने पर रोग नियंत्रण में लाभकारी रहता है। बोने के पूर्व बीजों को थीरम, कार्बेन्डाजाइम (2:1) अथवा थीरम, केप्टान (1:1) से उपचारित करना चाहिए।

जड़ एवं तने के रोग

फफूंद रोग :

पीथियम जड़ सड़न एवं आर्द्रपतन : बोनी के बाद लगातार वर्षा होने से तापमान घटने पर बीज या बीजांकुर सड़न होता है. आरंभ में रोगग्रस्त पौधे छोटे समूह में दिखाई देते हैं तथा पत्तियों के मुरझाने पर अंगमारी या उकटा जैसे लक्षण दर्शाते हैं. जड़े गल जाती हैं. वे खींचने पर टूट जाती हैं।

रोकथाम -

बीजोपचार द्वारा रोका जा सकता है पारायुक्त फफूंदनाशक अधिक प्रभावशाली होते हैं, लेकिन इसका राइजोबियन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिये केप्टान या थीरम 0.25 प्रतिशत 2 ग्राम प्रति कि.ग्रा. से बीजोपचार करना चाहिये। अच्छा जल निकास प्रकोप कम करता है।

चारकोल सड़न :

यह रोग अधिक तापमान (35-40 डिग्री सेंटीग्रेड) व भूमि में नमी की कमी के कारण उग्र रूप धारण करता है, जबकि 40 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर रोग में कमी आती है।

रोकथाम :

मुख्य रूप से भूमि जनित रोग हैं। अत: गर्मी में गहरी जुताई, पौध अवशेष नष्ट करना तथा फसल चक्र अपनाना लाभदायक होता है। सिंचाई करने से पानी की कमी वाली स्थिति में रोग प्रसार रोक सकते हैं।

जीवाणु जनित रोग

जीवाणु जनित स्फोट :

रोग मुख्य रूप से पत्तियों पर प्रकट होते हैं, तथा प्रारंभ में जीवाणु जनित झुलसा रोग जैसे दिखाई देता है। पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे सरसों के दाने जैसे 1 मि.मी. व्यास के पीले धब्बे दिखाई देते हैं, जो बीच में कत्थई भूरे रंग के होते हैं। कुछ समय बाद पत्ती की निचली सतह पर धब्बे के मध्य में उभरा हुआ फफोला बन जाता है। रोग की इस अवस्था पर फफोले की उपस्थिति और धब्बे के चारों ओर जलसिक्तों का अभाव द्वारा इसको झुलसा से अलग पहचाना जा सकता है। इसके छोटे-छोटे धब्बे मिलकर अनियमित आकार के बड़े गहरे भूरे रंग के धब्बे बनाते हैं।

रोकथाम :

रोग रहित स्वस्थ बीज का उपयोग करें, बोने से पूर्व बीज को एग्रीमाइसन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (100-200 पी.पी.एम.) 100-200 मि.ग्रा. प्रति लीटर उपचारित करें। उस पर आक्सीक्लोराइड की 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर) तथा एग्रीमाइसिन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का मिश्रण घोल अधिक लाभकारी होता है।

विषाणु जनित रोग

सोयाबीन मोजेक या सामान्य मोजेक : भारत में सर्वप्रथम 1956 में देखा गया था। सिंचित क्षेत्र में प्रकोप अधिक दिखाई देता है तथा 25 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण अधिक दिखाई देता है जबकि 30 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण छिप जाता है। पौधे के किसी भी अवस्था पर संक्रमण हो सकता है। रोगी पौधे छोटे इंटरनोड एवं पर्णवृन्त वाले छोटे पौधे होते हैं। पत्तियां छोटी, पतली, गहरे रंग के धब्बे वाली ऐंठी एवं मुड़ी हुई होती है। जिनके किनारे अंदर की ओर मुड़े हुए होते हैं। फलियां छोटी, चपटी, मुड़ी हुई, कम दाने वाली एवं संख्या में कम होती हैं। संक्रमण फूल आने के पहले होने पर विषाणु बीजों को संक्रमित कर चितकबरा कर देता है, जबकि फूल आने के बाद संक्रमण होने पर अधिकांश बीज विषाणु मुक्त होते हैं। एक ही फली में रोगी एवं स्वस्थ दोनों प्रकार के बीज हो सकते हैं। रोगी बीज का अंकुरण 12-35 प्रतिशत कम हो सकता है।

प्राथमिक संक्रमण मुख्यत:

बीज से होता है। विषाणु बीज में 2 वर्ष तक उत्तर जीवित रह सकता है। फसल में विषाणुओं का द्वितीय संचारण रोगी पौधे के रगड़ने से तथा एफिड्स (माहू) के द्वारा होता है। विषाणु कीट में चार घंटे तक जीवित रह सकता है. प्रति पौधा 5 कीट अधिक संक्रमण करता है।

रोकथाम :

स्वस्थ बीज का उपयोग करना चाहिये। रोगी पौधों को शीघ्र निकाल देना चाहिये एवं जमीन में दबा देना चाहिये। माहू के नियंत्रण के लिये कीटनाशक का उपयोग करना चाहिये।

फफूंद जनित रोग

किट्ट रोग :

यह भारत में सर्वप्रथम 1980 में पंतनगर में महामारी के रूप में प्रकट हुआ। हालांकि इसके पहले 1965 में पूना में वर्णन मिलता है। इसके साथ ही सन् 1995, 1996, 1997 में मध्यप्रदेश में इसका आक्रमण अधिक हुआ था। रोग का आक्रमण प्राय: मध्य सितम्बर से अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक अधिक नमी व कम तापमान पर होता है।

रोकथाम :

- रोग उत्पन्न होते ही जिनेब या मेन्कोजेब को 2.5 ग्राम/ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।
- सोयाबीन की गेरूआ सहनशील किस्में जैसे - पी.के. 1029, पी.के. 1024, जे.एस. 80-21 एवं इंदिरा सोया 9 की काश्त करें।
- रोग की शुरूआत की अवस्था में ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें और फसल पर हेक्जाकोनाझोल (कन्टॉफ) या प्रोपीकोनाजोल (टिल्ट) 800 मिली. या ट्रायाडिमेफान (वेलेटान) 800 मिली. को 800 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें। रोग की अधिकता पर दूसरा छिड़काव 15 दिनों बाद करें।
- इसके अलावा फसल चक्र अपनावें। फसल चक्र में मक्का, ज्वार, अरहर या कपास ले सकते हैं।
- ग्रीष्मकाल में खेत की गहरी जुताई करें।
- मक्का एवं तिल की फसल को मिश्रित फसल के रूप में सोयाबीन के साथ लें।

बी.टी. कपास में रस चूसक कीट

कपास में कीट प्रबंधन हेतु इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कीट प्रबंधन कीट नियंत्रण की प्रभावी विधि साबित हो सकती है।

समन्वित कीट प्रबंधन

कीट नियंत्रण की विभिन्न वैकल्पिक विधियों का बुद्धिमत्ता से चुनाव एवं उपयोग कर अंत में आवश्यकता पड़ने पर कीटों की आर्थिक क्षति स्तर अवस्था पर ही कीटनाशक दवाओं का सूझबूझ के साथ उपयोग किया जावे ताकि अनुकूल प्राकृतिक सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम प्राप्त हो सकें।

यद्यपि यह प्रयास नया नहीं है परंतु अभी इसका प्रचलन सही तरीके से कृषकों तक प्रचारित एवं प्रसारित नहीं हो पाया है।

समन्वित कीट नियंत्रण क्या है?

कीटों को नियंत्रण करने की समस्त क्रियाओं जैसे कृषिगत, यांत्रिक, जैविक तथा रसायनिक का समावेश करके कीटों की संख्या को नियंत्रित करने को समन्वित कीट नियंत्रण या प्रबंधन कहते हैं।

समन्वित कीट प्रबंधन की आवश्यकता क्यों - कपास फसल की उन्नत एवं संकर किस्मों के लगातार उपयोग एवं अधिक उत्पादन प्राप्त करने की होड़ में प्रायः किसान भाईयों द्वारा अत्यधिक मात्रा में असंतुलित उर्वरक, सिंचाई एवं विभिन्न प्रकार के उपलब्ध कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध, अनावश्यक एवं गलत समय में उपयोग किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वातावरण जल एवं भूमि में प्रदूषण, प्राकृतिक असंतुलन, लाभदायक परजीवी एवं परभक्षी कीटों का नाश तथा विभिन्न कीटों में कीटनाशक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने की संभावना बढ़ने लगी है। जिसके कारण समन्वित कीट नियंत्रण/ प्रबंधन के उपयोग की आवश्यकता महसूस होने लगी है।

कपास में समन्वित कीट प्रबंधन

वैकल्पिक विधियां -

कृषि गत उपाय -

- पिछली फसल समाप्त होते ही खेत में जानवरों को चरावें तथा बचे अवशेषों को उखाड़कर/काटकर नष्ट करें साथ ही खेत की गहरी जुताई करें ताकि कीटों के अवशेष, अंडे इत्यादि नष्ट हो जावे।
- खेतों की मेढ़ों पर अन्य परपोषी पौधे जैसे जंगली भिंडी, अम्बाड़ी इत्यादि को काटकर जला दें।
- कपास की अंतरवर्तीय फसल जैसे कपास के साथ ज्वार, मक्का, सोयाबीन या चवला आदि लेने से कीट प्रकोप कम होता है।
- बोनी हेतु कीटरोधी किस्मों का चयन करें.
- रसायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। नत्रजन का अनावश्यक उपयोग न करें। साथ ही फसल की बढ़वार अधिक दिखाई देने पर वृद्धि नियंत्रक रसायन साईकोसिल का फसल पर उचित समय पर छिड़काव करें।
- फसल में खरपतवारों को न बढ़ने दें एवं समय-समय पर उनकी रोकथाम करें।
- जमीन के अनुकूल उपयुक्त पौध अंतरण पर बुआई की जावे।
- आवश्यकतानुसार सिंचाई कतार छोड़ पद्धति से करें।
- आवश्यक फसल चक्र अपनावे अर्थात् एक ही खेत में प्रतिवर्ष कपास न लें।

यांत्रिक उपाय

- हानिकारक कीटों के व्यस्क कीटों को ट्रेप कर नष्ट करने के लिये प्रकाश प्रपंच/फेरोमेन ट्रेप का प्रयोग करें।
- पक्षियों को बैठने हेतु बर्ड पर्चर 20-25 नग (टी आकार की लकड़ी की खूटियां) प्रति हेक्टेयर लगावें जिस पर पक्षी बैठ सके एवं कीटों को खाकर नष्ट कर सके।

जैविक उपाय

कपास फसल परितंत्र (इको सिस्टम) में लगभग 25-30 प्रकार के प्राकृतिक परजीवी, परभक्षी कीट एवं बीमारियां पाई जाती हैं जो किसान भाईयों को अति सूक्ष्म होने एवं पहचान नहीं होने के कारण दिखाई नहीं देते परंतु ये लाभदायक जीव अपना काम (कीट नियंत्रण) करते रहते हैं, एवं कपास के हानिकारक कीटों की संख्या पर अपना नियंत्रण करने का प्रयास भी करते रहते हैं। परंतु कीटनाशक दवाओं के असंतुलन एवं अत्यधिक उपयोग से ये लाभदायक कीट नष्ट हो जाते हैं, परिणामस्वरूप हानिकारक कीटों की संख्या में वृद्धि होने लगती है और ये कीट आर्थिक क्षति स्तर अवस्था को पार करके फसल एवं उसके डेण्डुओं को नुकसान पहुंचाकर नष्ट करने में सक्षम हो जाते है। अतः किसान भाईयों से अपेक्षा है कि वे निम्न लाभदायक जीवों को पहचानें एवं इनका संरक्षण एवं संवर्धन कर कपास फसल को बचाएं।

परभक्षी क्रायसोपा

बाजार में उपलब्ध इस कीट के 1000 अंडे या इल्लियां / एकड़ के मान से कपास के खेत में माहो, सफेद मक्खी या चेपा का अधिक प्रकोप दिखाई देने की अवस्था में 8-10 दिनों के अंतराल पर दो बार छोड़ने से इन कीटों के प्रकोप में कमी आती है।

परभक्षी लेडीबर्ड बीटल

कपास के साथ चवला, मक्का या ज्वार लगाने से इस कीट का संरक्षण होता है इस कीट के शिशु एवं व्यस्क माहो को खाकर नष्ट करते हैं।

अन्य परभक्षी जैसे - नीलकंठ, काली चिड़िया, मैना, बगुले जो कीटों की इल्लियों को चुन-चुन कर खाते हैं, इनका संरक्षण करने हेतु खेतों में मक्का, ज्वार या बांस की लम्बी खूटियां जगह-जगह पर लगाना चाहिए।

छिड़काव करते समय सावधानियां

- दो या दो से अधिक कीटनाशक दवाओं को बिना जानकारी के मिला कर छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- कीटनाशक दवाओं का घोल छिड़काव पम्प में ही बनाने के तरीकों को रोकना चाहिए।
- लगातार बार-बार एक ही कीटनाशक दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए तथा दवाओं को बदल-बदल कर उपयोग करें.
- सिंथेटिक पायराथ्राईड्स का उपयोग न करें इनके अनावश्यक प्रयोग से फसल में रस चूसक कीटों का प्रकोप होने की संभावना बढ़ होती है।
- छिड़काव हेतु पानी की मात्रा 500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करना चाहिए।
- तेज धूप व तेज वर्षा के समय छिड़काव कार्य नहीं करना चाहिए।
- बरसात के मौसम में छिड़काव कार्य करते समय वर्षा की संभावना हो तो दवा के घोल में चिपकने वाली दवा जैसे सेण्डोविट या टीपोल आदि मिलाकर ही छिड़काव करें।
- कीटनाशक दवाओं का उपयोग एक तकनीकी कार्य है, अत : इसका उपयोग निर्देशानुसार पूर्ण सावधानी सहित अपनाना चाहिए।

भारत ने अमेरिका पर लगाया टैक्स तो पीछे हट जाएंगे ट्रंप!

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले योजना आयोग के प्रमुख मोंटेक एस. अहलूवालिया ने भारत को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारत को डोनाल्ड ट्रंप की चाल में नहीं फंसना चाहिए। ट्रंप ने भारत पर जो ऊंचे टैक्स लगाए हैं, भारत को भी बदले में वैसे ही टैक्स नहीं लगाने चाहिए। अहलूवालिया का कहना है कि सिर्फ इसलिए कि अमेरिका दादागिरी कर रहा है, हमें भी वैसा नहीं करना चाहिए। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु और अन्य लोगों ने भी संरक्षणवाद की ओर बढ़ने के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ट्रंप के साथ टकराव करने के बजाय समझौता और तालमेल बिठाना चाहिए।

कुछ लोग खुले बाजार और कम टैक्स के पक्ष में हैं। लेकिन इस लेख में बदले की कार्रवाई का समर्थन किया गया है। यह एक उपयोगी तरीका हो सकता है जिससे बाजार खुले रहें। इसका मतलब यह नहीं है कि यह नीति के तौर पर संरक्षणवाद है। हमें बदले की कार्रवाई (किसी गलत देश पर ऊंचे टैक्स) को संरक्षणवाद (सभी देशों पर ऊंचे टैक्स) के साथ नहीं मिलाना चाहिए।

क्या किया चीन ने?- अप्रैल में चीन ने ट्रंप के 145 प्रतिशत टैक्स लगाने के जवाब में अमेरिकी सामानों पर 125 प्रतिशत टैक्स लगाया। लेकिन चीन ने यह टैक्स किसी अन्य देश पर नहीं लगाया। यह संरक्षणवाद नहीं था। चीन ऊंचे टैक्स को आपसी सहमति से हटाने में सफल रहा। इसके बाद व्यापार पर बातचीत हुई। इसकी समय सीमा को दो बार बढ़ाया गया। इससे एक उचित और कम टैक्स वाला समझौता होने की उम्मीद है। भारत को भी चीन के रास्ते पर चलना चाहिए।

ट्रंप ने तोड़े नियम

ट्रंप ने WTO के नियमों को तोड़ दिया है। वह मनमाने ढंग से जिस पर चाहे टैक्स लगा रहे हैं। भारत चाहता है कि अमेरिका विश्व व्यापार संगठन के नियमों का पालन करे। लेकिन याद रखें, नियमों में यह साफ तौर पर लिखा है कि अगर किसी देश पर मनमाने ढंग से टैक्स लगाया जाता है, तो वह भी बदले में कार्रवाई कर सकता है। इसमें ऊंचे टैक्स लगाना भी शामिल है। इसलिए, ट्रंप के खिलाफ बदले की कार्रवाई करना विश्व व्यापार संगठन के उन्हीं नियमों का इस्तेमाल करना है जिनका पालन भारत उनसे करवाना चाहता है।

भारत मुकाबले के लिए कितना मजबूत?

कई जानकार कहते हैं कि चीन ट्रंप का मुकाबला करने के लिए काफी मजबूत है, लेकिन भारत नहीं। भारत की साल 2019 की प्रतिक्रिया दिखाती है कि यह सच नहीं है। भारत निश्चित रूप से चीन से कमजोर है, लेकिन उसे लाओस की तरह हार नहीं माननी चाहिए। लाओस ने सभी अमेरिकी सामानों पर टैक्स को घटाकर शून्य कर दिया था, लेकिन फिर भी उस पर 40त्न अमेरिकी टैक्स लगाया गया।

भारत के पास और भी कई तरीके

बदले की कार्रवाई का मतलब सिर्फ टैक्स लगाना ही नहीं है। भारत यह भी कह सकता है कि अगर अमेरिका ऊंचे टैक्स लगाना जारी रखता है, तो इससे अमेरिकी युद्धक विमान खरीदने की हमारी योजना पर असर पड़ेगा। भारत के पास खेलने के लिए और भी कई तरीके हैं। समझदारी से इस्तेमाल किया जाए तो बदले की कार्रवाई एक तरीका है, रणनीति नहीं. इसे इस्तेमाल किए बिना भी धमकी दी जा सकती है। इसे बहुत विनम्रता से कहा जा सकता है, हमें बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि अगर अमेरिका ऊंचे टैक्स लगाना जारी रखता है, तो हमें भी बदले में कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हम अपने व्यापार विवाद का जल्द समाधान चाहते हैं। इसे खुले तौर पर कहने की भी जरूरत नहीं है। यह सिर्फ एक बातचीत का तरीका हो सकता है।

पीछे हटने में माहिर हैं ट्रंप

कई जानकार ट्रंप की बातचीत करने के तरीके को टीएसीओ कहते हैं। इसका मतलब है कि ट्रंप हमेशा पीछे हट जाते हैं। भारत को सख्त रहना चाहिए और ट्रंप को पीछे हटने का मौका देना चाहिए। किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई अच्छा समझौता नहीं हो सकता है। रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर जो 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया है, वह एक आश्चर्य की बात है। क्योंकि दोनों देश एक अंतरिम समझौते के बहुत करीब थे। कई लोग सोच रहे हैं कि क्या ट्रंप ने किसी वजह से भारत पर अपनी विदेश नीति पूरी तरह से बदल दी है। कुछ जानकार सोचते हैं कि वह भारत से दूर पाकिस्तान की ओर चले गए हैं। पाकिस्तान ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करके उनकी चापलूसी की है।

भारत नहीं, रूस पर हमला!

हालांकि, यह इतना बड़ा बदलाव करने का कोई अच्छा कारण नहीं है। अपनी हालिया अपमानजनक टिप्पणियों के बावजूद, ट्रंप ने अक्सर कहा है कि भारत एक दोस्त है। ट्रंप के 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाने का सबसे संभावित कारण यह है कि यह भारत पर हमला नहीं है, बल्कि रूस पर एक अप्रत्यक्ष हमला है। वह पुतिन पर यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने का दबाव डालना चाहते हैं। ऐसा न करने पर उन्होंने रूस को नए उपायों से धमकाया है। इसमें भारत को रूसी तेल खरीदने से रोकना भी शामिल है। दोनों नेताओं की अलास्का में हुई बैठक शांति समझौता कराने में विफल रही है।

भारत को बताया था टैरिफ किंग

लोग भूल जाते हैं कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2016-20) में उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा था। उन्होंने भारत से आने वाले स्टील और एल्यूमीनियम पर 25त्न टैक्स लगाया था। यह टैक्स अन्य सभी व्यापारिक साझेदारों पर भी लगाया गया था। भारत ने साल 2019 में 28 अमेरिकी उत्पादों पर टैक्स लगाकर जवाब दिया था। इसमें अमेरिकी सेब और बादाम शामिल थे। बाइडेन के कार्यकाल में दोनों तरफ से टैक्स हटा दिए गए थे। इसलिए, भारत इस बार बदले की कार्रवाई करके कोई नई या बड़ी बात नहीं करेगा।

...तो बदले की कार्रवाई जरूरी

भारत को घबराने या जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। व्यापार पर बातचीत अभी भी जारी है। रूसी तेल खरीदने पर 25त्न अतिरिक्त टैक्स 27 अगस्त से लागू होने वाला है। हम इस समय सीमा को बढ़ाने के लिए बातचीत कर सकते हैं। यह काफी संभव होना चाहिए, क्योंकि उनका टीएसीओ व्यवहार है। भारत को नरम लेकिन दृढ़ रहना चाहिए। हमें उन्हें विनम्रता से याद दिलाना चाहिए कि अगर अमेरिका ऊंचे टैक्स लगाना जारी रखता है, तो हमें भी बदले में कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हम लाओस नहीं हैं।

वॉरेन बफे ने थके हुए शेयर में किया निवेश, पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव से बाजार हुआ चौकन्ना

नई दिल्ली, एजेंसी। कई महीनों से कैश जमा कर रहे दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने दूसरी तिमाही में अपने पोर्टफोलियो में बड़ा बदलाव किया है। बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप में 1.6 अरब डॉलर का निवेश किया है। हैथवे ने इस इंश्योरेंस कंपनी के 50 लाख शेयर खरीदे हैं। इस खबर के आने के बाद यूनाइटेडहेल्थ का शेयर करीब 12 फीसदी

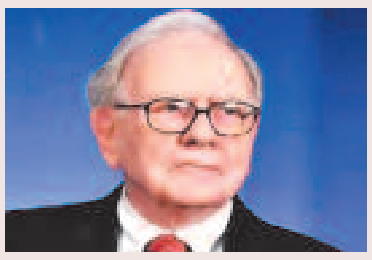

उछल गया। हालांकि बफे के इस फैसले से बाजार ने हैरानी जताई है। इसकी वजह यह है कि कभी दुनिया की टॉप कंपनियों में शामिल रही यूनाइटेडहेल्थ का शेयर पिछले एक साल में ऑल टाइम हाई से 60 प्रतिशत गिर चुका है। पिछले कुछ समय से यूनाइटेडहेल्थ की इमेज कुछ समय से खराब चल रही है। जस्टिस डिपार्टमेंट कंपनी के खिलाफ मेडिकेयर बिलिंग की जांच कर रहा है। इसके अलावा कंपनी के सीईओ ने इस्तीफा दे दिया था और मुनाफे को लेकर भी कई चेतावनियां जारी की गई थीं। इन सबके बावजूद बफे ने इस कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। यूनाइटेडहेल्थ अब बफे को पोर्टफोलियो में शामिल 18वां बड़ा शेयर है। शुक्रवार को यूनाइटेडहेल्थ का शेयर 11.98 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया- 5 महीने में 78 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ महीने के दौरान एक डिफेंस कंपनी ने शानदार रिटर्न दिया है। वह कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड (है। बीते 5 महीने के दौरान इस कंपनी के शेयरों का भाव 52 वीक लो लेवल से 78 प्रतिशत चढ़ गया है। 28 फरवरी को कंपनी के शेयरों का भाव 8479.30 रुपये के लेवल पर था। गुरुवार को कंपनी के शेयरों का भाव 15,104 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। इससे पहले 30 जून 2025 को सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड 17805 रुपये के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया था। क्या अब इस डिफेंस कंपनी पर दांव लगाना सही रहेगा?

टेक्निकल पक्ष कितना मजबूत- बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया के शेयरों का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 51.1 है। जोकि दर्शाता है कि यह शेयर तो अधिक खरीदारी और ना ही अधिक बिकवाली का शिकार हुआ है। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया के शेयर 5डे, 10डे, 20डे, 50डे, 100डे, 150डे और 200डे के मूविंग एवरेज से अधिक पर ट्रेड कर रहा था। इस डिफेंस स्टॉक पर नजर रखने वाले अधिकतर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं।

बीता एक साल कैसा रहा?- पिछले एक साल के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 48 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिला है। सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 52 वीक हाई 17805 रुपये और 52 वीक लो लेवल 8479.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1.36 लाख करोड़ रुपये का है। यह डिफेंस कंपनी लगातार निवेशकों को डिविडेंड देती आ रही है।

चीन का नहीं देखना पड़ेगा मुंह, भारत के हाथ लगा बड़ा खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ समय से कई चीजों में चीन आगे बना हुआ है। हमें भी कई बार कुछ खास चीजों के लिए चीन का मुंह देखना पड़ता है। और चीन है कि कई बार उन चीजों के लिए आंख दिखा देता है। जैसा इस समय रेयर अर्थ मेटल्स को लेकर हो रहा है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब हमें न तो चीन का मुंह देखना होगा और न ही उससे मिन्नतें करनी होंगी। भारत के हाथ भी रेयर अर्थ मेटल्स का खजाना लग गया है।

अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ियों में दो नदियां बहती हैं। इनके नाम पापुम और पारे हैं। ये नदियां अभी तक ज्यादा जानी नहीं जाती हैं। लेकिन, जल्द ही ये पूरे देश में चर्चा का विषय बन सकती हैं। दरअसल, पापुम पारे जिले में रेयर अर्थ मेटल्स का भंडार मिला है। इस जिले का नाम इन्हीं नदियों के नाम पर रखा गया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार जून में खान मंत्रालय ने एक पुस्तिका जारी की। इस पुस्तिका में बताया गया है कि इस क्षेत्र में नियोडिमियम की मात्रा बहुत ज्यादा है। नियोडिमियम एक जरूरी तत्व है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स में काम आता है। रेयर अर्थ मेटल्स का इस्तेमाल मैग्नेट आदि बनाने में होता है।

बदल जाएगी तस्वीर

अगर पापुम पारे में भंडार निकाला जाता है, तो इससे गुड़गांव, पुणे और चेन्नई जैसे शहरों में इलेक्ट्रिक व्हीकल और ऑटोमोबाइल उद्योग को बढ़ावा मिल सकता है। और यह तो बस शुरुआत है। असम के कार्बी आंगलोंग में भी आरईईसे भरपूर मिट्टी मिली है। मेघालय की सुंग घाटी में बॉक्साइट-ऋश्वश्व बेल्ट का पता चला है। कोयला और खान मंत्री किशन रेड्डी ने पिछले महीने संसद को बताया कि मध्य प्रदेश के सिंगरौली कोयला क्षेत्र में भी आशाजनक आरईईके भंडार मिले हैं।

कई हिस्से में मौजूद हैं ये मेटल्स

इन खोजों से पता चलता है कि भारत में रणनीतिक धातुएं सिर्फ समुद्र के किनारे की रेत, लाल रेत या आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की जलोढ़ मिट्टी तक ही सीमित नहीं हैं। ये भारत के अंदरूनी हिस्सों में भी मौजूद हैं। ये जंगल, पहाड़ और कोयला क्षेत्रों में भी पाई जाती हैं।

चीन पर काफी निर्भरता

रेयर अर्थ मेटल्स की सप्लाई पर चीन ने भारत पर रोक लगा रखी है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियों को काफी परेशानी हो रही है। इसके बाद भारत ने इन नए स्थानों की पहचान की है। दरअसल, भारत रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। इसका करीब 85 से 90त्न आयात चीन से ही होता है। रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्माण रेयर अर्थ मेटल्स से किया जाता है।

कहां आ रही रुकावट?

भारत दुर्लभ पृथ्वी के भंडार के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। पहले दो स्थान चीन और ब्राजील के हैं। लेकिन, जब उत्पादन और शोधन की बात आती है तो आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं। साल 2024 तक चीन दुनिया के लगभग 70त्न दुर्लभ पृथ्वी का खनन करता है। इसके साथ ही 90त्न शोधन क्षमता पर उसका नियंत्रण है। यह जानकारी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से मिली है। भारत का उत्पादन हिस्सा 1त्न से भी कम है।

अगले हफ्ते आईपीओ से पैसा कमाने का मौका! 8 इश्यू खुलेंगे, 7 की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन का महीना बेशक खत्म हो गया हो, लेकिन शेयर मार्केट में आईपीओ की बारिश जारी है। अगले हफ्ते आईपीओ का बाजार फिर से गुलजार रहने वाला है। 8 नई कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। साथ ही 7 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी। ऐसे में अगले हफ्ते निवेशकों के पास आईपीओ से पैसे कमाने के कई मौके आने वाले हैं। जिन कंपनियों के नए आईपीओ आएंगे, उनमें 5 मेनबोर्ड से और 3 एसएमई सेगमेंट से हैं। एसएमई का मतलब है छोटी और मध्यम आकार की कंपनियां। मेनबोर्ड से ये 5 आईपीओ खुलेंगे-

श्रीजी शिपिंग ग्लोबल - यह आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। कंपनी 410.71 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके लिए 1.63 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस आईपीओ में ओएफएस के तहत एक भी शेयर जारी नहीं होगा। इसका प्राइस बैंड प्रति शेयर 240 से 252 रुपये तय किया गया है। एक लॉट में 58 शेयर होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 22 अगस्त को होने की उम्मीद है।

विक्रम सोलर लिमिटेड- यह अगले हफ्ते का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। कंपनी 2,09.37 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। 4.52 करोड़ नए शेयर और 1.75 करोड़ ओएफएस के तहत शेयर जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। प्राइस बैंड 315 से 332 रुपये प्रति शेयर है। विक्रम सोलर के शेयर 26 अगस्त को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।

जेम एरोमैटिक्स लिमिटेड

जेम एरोमेटिक्स का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। यह 451 करोड़ रुपये का आईपीओ है। इसमें 54 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे और 85 लाख शेयर ओएफएस के जरिए बेचे जाएंगे। प्राइस बैंड 309 रुपये से 325 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 46 शेयर होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 22 अगस्त को हो सकता है।

पटेल रिटेल लिमिटेड

पटेल रिटेल के आईपीओ का इश्यू साइज 242.76 करोड़ रुपये है। यह शेयर भी 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद हो जाएगा। इसमें 85 लाख नए शेयर और 10 लाख ओएफएस के तहत शेयर जारी किए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 237 रुपये से 255 रुपये के बीच रखा गया है। एक लॉट में 58 शेयर हैं। कंपनी के शेयर 26 अगस्त को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।

मंगल इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज

मंगल इलेक्ट्रिकल का आईपीओ 20 अगस्त को खुलेगा और 22 अगस्त को बंद होगा। यह 400 करोड़ रुपये का आईपीओ है। इसमें 71 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। ओएफएस के तहत कोई शेयर जारी नहीं होगा। कंपनी ने शेयरों की कीमत 533 से 561 रुपये प्रति शेयर तय की है। एक लॉट में 26 शेयर होंगे। यह आईपीओ 28 अगस्त को शेयर मार्केट में लिस्ट हो सकता है।

एसएमई सेगमेंट में ये आईपीओ खुलेंगे

अगले हफ्ते एसएमई सेगमेंट से 3 आईपीओ शेयर मार्केट में दस्तक देंगे स्टूडियो एलएसडी का आईपीओ 18 अगस्त को खुलेगा और 20 अगस्त को बंद हो जाएगा। एलजीटी बिजनेस कनेक्शंस लिमिटेड के आईपीओ में 19 अगस्त से 21 अगस्त के बीच बोली लगा सकेंगे। वहींक्लासिक इलेक्ट्रोड्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ 22 अगस्त को खुलेगा। इसमें 26 अगस्त तक बोली लगाने का मौका मिलेगा।

इन आईपीओ की होगी लिस्टिंग

अगले हफ्ते नए आईपीओ के अलावा 7 इश्यू की लिस्टिंग भी होगी। इनमें मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट, दोनों के आईपीओ शामिल हैं।

लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड को मिला दिल्ली में 5 स्टार होटल बनाने का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉस्पिटैलिटी बिजनेस ऑपरेट करने वाली कंपनी लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड की सब्सिडियरीफेलूर होटल्स लिमिटेड को एक बड़ा ऑर्डर मिला है। इस कंपनी को यह ऑर्डर दिल्ली डेलपमेंट अथॉरिटी से मिला है। कंपनी को नेहरू पैलेस में 5 स्टार होटल बनाना है। बता दें, एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि इस होटल का निर्माण 2.256 एकड़ पर बनाना है।

500 कमरों का होटल बनाने का मिला काम- कंपनी को 5 स्टार होटल बनाने और ऑपरेट करने का काम मिला है। इस प्रॉपर्टी का नाम औरिका, नेहरू प्लेस होगा। कंपनी को 12 महीने के लिए यह ऑर्डर मिलेगा। इस होटल में कुल 500 कमरे होंगे। औरिका, नेहरू प्लेस में रुकने की प्रीमियम व्यवस्था होगी। सिग्नेचर डाइनिंग आदि की सुविधाएं भी मिलेगी। इस होटल के निर्माण पूरा होने के बाद यह दिल्ली के सबसे बड़े होटल में से एक हो जाएगा।

lemon tree
HOTELS

शेयर बाजार में लेमन ट्री का प्रदर्शन कैसा?- गुरुवार को लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड के शेयर 1.32 प्रतिशत की गिरावट के बाद 145.25 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 11.73 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस पीरियड में सेंसेक्स इंडेक्स में 6.13 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। 1 साल में लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 162.25 रुपये और 52 वीक लो लेवल 110.55 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 11507.38 करोड़ रुपये का है। 5 साल में लेमन ट्री होटल्स के शेयरों की कीमतों में 373 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, जून 2025 तक की शेयरहोल्डिंग के अनुसार कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 22.28 प्रतिशत और पब्लिक की हिस्सेदारी 77.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

21 साल की उम्र में पहुंचे थे अमेरिका, आज हैं गौतम अडानी से बड़े रईस

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में अमेरिका के थॉमस पीटरफी 21वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 22.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह कुल 75.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ भारत के गौतम अडानी से आगे निकल चुके हैं। अडानी ने इस साल 3.79 अरब डॉलर गंवाए हैं और वह 74.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 22वें नंबर पर हैं।

पीटरफी का जन्म सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान साल 1944 में पूर्वी यूरोपीय देश हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट हुआ था। साल 1965 में उन्होंने हंगरी छोड़ दिया जो उस समय सोवियत संघ के अधीन था। सोवियत संघ ने 1956 के विद्रोह के बाद हंगरी पर कब्जा कर लिया था। पीटरफी ने कम उम्र में ही समझ लिया था कि हंगरी में उनका कोई भविष्य नहीं है। वह 1965 में 21 साल की उम्र में अमेरिका चले गए। तब उनके पास कोई पैसा नहीं था और उन्हें अंग्रेजी बोलनी भी नहीं आती थी। इसके बावजूद उन्होंने स्टॉक्स, ऑप्शंस और फ्यूचर्स के लिए दुनिया की पहली ऑटोमेटेड

मार्केट मेकिंग फर्म बनाई और फिर फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

ट्रंप से करीबी- पीटरफी ने साल 1995 में अरन्यी एसोसिएट्स की शुरुआत की जो व्यक्तिगत निवेशकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग की सुविधा देती है। साल 2007 में उन्होंने इस कंपनी को पब्लिक कर दिया। 90 साल के हो चुके पीटरफी अब फ्लोरिडा के पाम बीच में रहते हैं। उनकी कंपनी का हेडक्वार्टर ग्रीनविच में है।

अंग्रेजी में हाथ तंग

कुल साल पहले एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में पीटरफी ने कहा था कि अमेरिका आने के बाद उन्हें न्यूयॉर्क में एक इंजीनियरिंग फर्म में नौकरी मिली। उन्होंने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सीखने के लिए स्वेच्छा से काम किया। उन्हें लगा कि यह काम अंग्रेजी सीखने से आसान था। पीटरफी का वॉल स्ट्रीट से पहला परिचय अरन्यी एसोसिएट्स में एक कंप्यूटर कंसल्टेंट के रूप में हुआ। यह कंपनी स्टॉक और बॉन्ड वैल्यूएशन प्रोग्रामिंग पर काम करता थी।

साल 1977 में पीटरफी ने अपना खुद का काम शुरू करने का फैसला किया। उस साल उन्होंने ऑप्शंस ट्रेडिंग के लिए अमेरिकन स्टॉक एक्सचेंज में एक सीट खरीदी। एक साल के भीतर उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट्स पर प्रॉफिटेबल बोली लगाने की संभावना को बेहतर बनाने के लिए ऑटोमेशन पर काम करना शुरू कर दिया। साल 1982 में उन्होंने टिम्बर हिल नामक एक मार्केट मेकिंग कंपनी बनाई जिसमें ट्रेड्स को ट्रैक और कैलकुलेट करने के लिए हैंड हेल्ड कंप्यूटर्स यूज किया गया। ये कंप्यूटर पीटरफी ने ही बनाए थे। इसके बाद उन्होंने दूसरे बाजारों में भी विस्तार किया।

जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेलेंगे या नहीं?

सेलेक्टर्स से कह दी अपने मन की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. इस बार एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 9 सितंबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. एशिया कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा बूस्ट मिला है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुद को इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध बताया है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को सूचित किया है कि वो पूरी तरह से फिट हैं और टी20 फॉर्मेट में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है, इसके लिए मुंबई में चयनकर्ताओं की बैठक होगी. एक सूत्र ने इस अंग्रेजी अखबार से कहा, जसप्रीत बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वो एशिया कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे. चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करके इस पर चर्चा करेगी.

तीनों फॉर्मेट में होगा एक कप्तान!

गौतम गंभीर ने तैयार कर लिया भविष्य का रोडमैप; यहां समझें क्या है प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अच्छे हेड कोच साबित हुए हैं या नहीं? व्हाइट बॉल मैचों की बात करें तो हां, गंभीर की रणनीतियां टीम इंडिया के पक्ष में रही हैं. वहीं टेस्ट फॉर्मेट में उनके अंडर भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाने के बाद गौतम गंभीर का चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ नजर आया था. बताते चलें कि गंभीर 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक भारतीय कोच बने रहेंगे और बतौर कोच पहले ही साल में उन्होंने कुछ कड़े फैसले लिए हैं. अगले 2 साल में आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स की बात करें तो सबसे पहले एशिया कप 2025 की चुनौती होगी. उसके बाद फोकस 2026 टी20 वर्ल्ड कप पर शिफ्ट हो जाएगा, लेकिन इसी दौरान टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति बरकरार रखनी होगी. उसके बाद 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए भी गंभीर को सख्त फैसले लेंगे होंगे, खासतौर पर अभी तक विराट कोहली और रोहित शर्मा पर कुछ साफ नहीं है. यहां जानिए बतौर कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के भविष्य के लिए कैसा रोडमैप तैयार कर रहे हैं?

तीनों फॉर्मेट में हो एक कप्तान

इसी साल गौतम गंभीर ने कहा था कि वो तीनों फॉर्मेट में एक कप्तान के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि एक ही कप्तान के साथ काम करना आसान हो जाता है. साथ ही उन्होंने इसकी जटिलता को भी उजागर किया. गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया साल में काफी ज्यादा क्रिकेट खेलती है, ऐसे में ऐसा कप्तान ढूंढ निकालना बहुत मुश्किल होगा, जो तीनों फॉर्मेट खेलता हो. इन दिनों चर्चा है कि भारतीय टीम को तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान दिया जा सकता है. इसके लिए शुभमन गिल का नाम सामने आया है, जिन्होंने बतौर कप्तान इंग्लैंड में जाकर अपनी पहली टेस्ट ड्रॉ करवाई है. अनुभव के साथ गिल बतौर टेस्ट कप्तान और भी अधिक परिपक्व होते जाएंगे।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी

इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान; दागा एक गोल

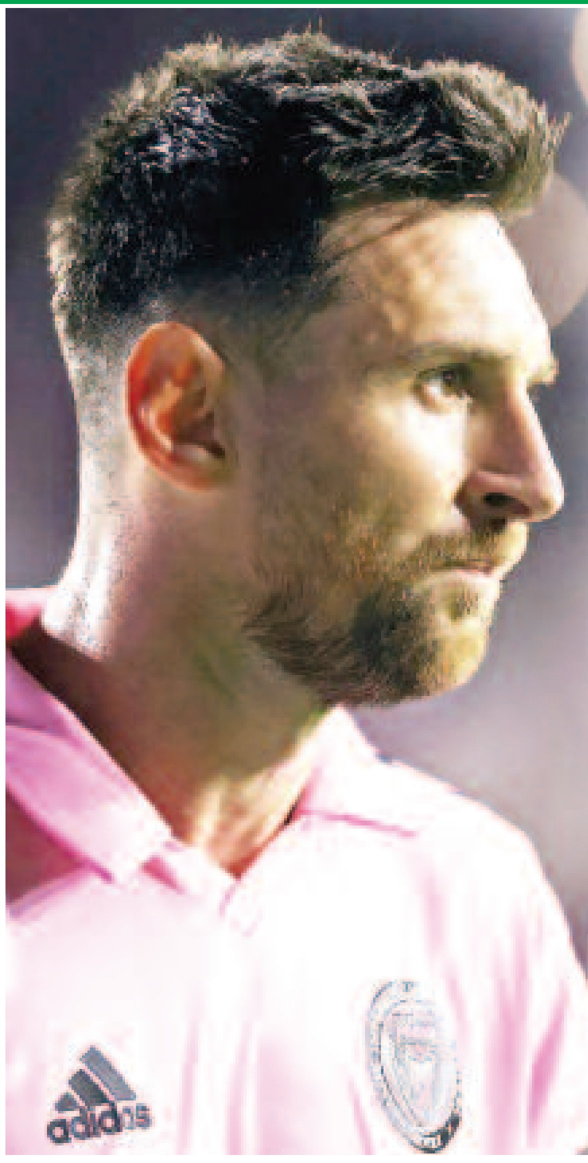

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया। स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की।

चोट के कारण दो मैच नहीं खेल सके थे मेसी

मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंटर मियामी उनके बिना लीग कप क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, लेकिन एमएलएस मुकाबले में उसे अपने राज्य के प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप:

टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाला बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप-2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। यूं तो टी20 फॉर्मेट चौके और छक्कों की बरसात के लिए जाना जाता है, लेकिन हम उस खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके नाम एशिया कप (टी20 फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड है। यह खिलाड़ी बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा हैं, जो तीन बार शून्य पर अपना विकेट गंवा चुके। दिलचस्प बात यह है कि मुर्तजा तीनों बार एक ही संस्करण में बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

मशरफे मुर्तजा ने एशिया कप-2016 में पांच मुकाबले खेले थे, जिसमें 22.80 की औसत के साथ कुल पांच विकेट अपने नाम किए। भले ही गेंदबाजी में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन बल्लेबाजी में यह क्रिकेटर कुछ खास नहीं कर सका। मशरफे मुर्तजा पांचों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 3.50 की औसत के साथ महज 14 रन ही बना सके। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ दो ही चौके देखने को मिले। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में चरिथ असलंका, आसिफ अली, किंचित शाह, कुसल मेंडिस, हार्दिक पांड्या और दासुन शनाका संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। यह खिलाड़ी दो-दो बार बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा, जिसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना तीसरा मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हांगकांग-चाइना और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं।

नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज

नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। काफा नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में सुनील तो हैं, लेकिन वह छेत्री नहीं हैं। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली टीम का चयन करते हुए खालिद जमील ने कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया है। इनमें सेना के डिफेंडर सुनील बेंचमिन भी शामिल हैं, जिन्होंने डूरंड कप के दौरान ध्यान खींचा। खालिद जमील की टीम से बड़ा नाम गायब है। यह बड़ा नाम सुनील छेत्री हैं, जो 2024 में संन्यास ले चुके थे। इस साल संन्यास से वापस लौटे। वह अब 29 अगस्त से ताजिकिस्तान के हिसोर में होने वाले मध्य एशियाई टूर्नामेंट के लिए भारत 35 खिलाड़ियों की संभावित सूची में भी शामिल नहीं हैं।

छेत्री को बाहर रखने का कारण नहीं आया सामने

इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है कि छेत्री को टीम में क्यों नहीं शामिल किया गया है। न तो खिलाड़ी की ओर से और न ही महासंघ की ओर से कुछ कहा गया है। महासंघ ने कहा कि 'चयन संबंधी सवाल मुख्य कोच से पूछे जाने चाहिए।' जमील ने भी कोई बयान नहीं दिया।

छेत्री के क्लब ने सैलरी रोकी

छेत्री को ऐसे समय पर नजरअंदाज किया गया है जब उनके क्लब बेंगलुरु एफसी ने हाल ही में इंडियन सुपर लीग को लेकर अनिश्चितता के कारण पहली टीम और कर्मचारियों के वेतन रोक दिए हैं। फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (लीग का संचालन करने वाली संस्था) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच समझौते के विस्तार को लेकर गतिरोध और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले के कारण आईएसएल का भविष्य अधर में है।

बेंगलुरु के इन खिलाड़ियों को मिला मौका

जमील की टीम में बेंगलुरु के अन्य खिलाड़ी हैं, जिनमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं। पूर्व कोच मनोलो मार्केज द्वारा संन्यास से वापसी के लिए मजबूर किए जाने के बाद छेत्री के टीम में न चुने जाने से उनके भविष्य पर सवाल खड़े होते हैं।

छेत्री मार्च में संन्यास से लौटे

41 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संन्यास ले लिया था। हालांकि, मार्केज के अशांत कार्यकाल में भारत के गोल करने और मैच जीतने में संघर्ष करने के बाद छेत्री मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में संन्यास से लौटे।

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुमला की पांच, रांची और हजारीबाग की एक-एक खिलाड़ी का चयन

चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

'मेहनत और अनुशासन का नतीजा है चयन'

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

झारखंड में जश्न का माहौल

खिलाड़ियों के चयन की खबर फैलते ही गुमला, रांची और हजारीबाग में खेल प्रेमियों में उत्साह देखा गया। स्थानीय लोग और खेल प्रेमी इन बेटियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जता रहे हैं। लोग मानते हैं कि झारखंड की ये खिलाड़ी न सिर्फ टीम का मनोबल बढ़ाएंगी, बल्कि अपने दमदार खेल से जीत में अहम भूमिका निभाएंगी।

सिनसिनाटी ओपनः

एक बार फिर आमने-सामने होंगे कार्लोस अल्कारेज और सिनर

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अल्कारेज और सिनर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज की और अब ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन के खिताबी मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमाने को 7-6, 6-2 से हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट में यह लगातार 26वीं जीत है। दूसरी ओर, अल्कारेज में एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को हराकर टूर स्तर के लगातार सातवें फाइनल में जगह बनाई। अल्कारेज ने ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से हराया और खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था।

आईएसएल के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस

कारण चिंता बनी हुई है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है। क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन की ओर बढ़ने लगी है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है। हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया

एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे, 19 अगस्त को टीम सिलेक्शन में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

- **स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी** -सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे।

इस फिल्म में स्टार्स ने लगा दी थी लिपलॉक की झड़ी

बॉलीवुड की तमाम फिल्मों में किसिंग और इंटीमेट सीन दिखाए गए हैं. बोल्ड फिल्मों को लेकर भले ही मेकर्स को आलोचना का सामना करना पड़ता है लेकिन इसके बाद ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में आती रहती है. साल 2013 में एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें लीड स्टार्स के बीच इतने ज्यादा किसिंग और लिपलॉक सीन दिखाए गए थे कि रिकॉर्ड बन गया था. दोनों स्टार्स ने फिल्म में हद से ज्यादा इंटीमेट सीन दिए लेकिन मेकर्स का तब भी फायदा नहीं हुआ था. आइए जानते हैं कि ये फिल्म कौन सी थी.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन 2013 में हुई रिलीज

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन ने साल 2013 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान लीड स्टार्स के तौर पर नजर आए थे.

नील नितिन और सोनल ने तोड़ा किसिंग सीन का रिकॉर्ड

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान के बीच कई किसिंग सीन थे. यहां तक कि दोनों स्टार्स ने फिल्म मर्डर के किसिंग सीन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन में थे काफी किसिंग सीन

फिल्म मर्डर में इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत के बीच कई किसिंग सीन होने से काफी चर्चा हुई थी. फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान ने 30 किसिंग सीन देकर उन दोनों स्टार्स को पीछे छोड़ दिया.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन नहीं आई पसंद

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान की फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन को लेकर मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं. लेकिन फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन के मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया था.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन हुई फ्लॉप

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान की फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. इस फिल्म की इसलिए चर्चा होती है कि इसमें रिकॉर्ड तोड़ किसिंग सीन दिखाए गए हैं.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन के मेकर्स का प्लान फेल

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन को लेकर मेकर्स का प्लान काम नहीं आया. फिल्म में हद से ज्यादा किसिंग सीन और इंटीमेसी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब नहीं हो पाई.

फिल्म 3जी: ए किलर कनेक्शन का कलेक्शन

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान स्टारर फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन ने मेकर्स का पैसा डुबो दिया था. 13 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड सिर्फ 7.45 करोड़ रुपये कमाए थे.

वर्सटाइल एक्टर बनकर बड़े पर्दे पर छा गए सैफ अली खान

32 साल के एक्टिंग करियर में सैफ अली खान की जर्नी काफी अलग किस्म की रही है। वह रोमांटिक हीरो बनकर इंडस्ट्री में आए, फिर सपोर्टिंग रोल्स में दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश की। सैफ अली खान पिछले कुछ वर्षों में नेगेटिव या विलेन के रोल में धाक जमा चुके हैं। इस तरह देखा जाए तो अब के करियर में वह हर जॉनर की फिल्मों में अभिनय के रंग दिखा चुके हैं। सैफ अली खान खुद ही अभिनय की दुनिया में सक्रिय नहीं हैं, उनके परिवार के कई सदस्य फिल्मी दुनिया से नाता रखते हैं।

रोमांटिक हीरो बनकर की शुरुआत- सैफ अली खान ने साल 1993 में फिल्म 'परंपरा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सैफ को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड तक मिला। रोमांटिक हीरो के तौर पर वह 'आशिक आवारा' में भी दिखे।लेकिन इन किरदारों में वह दर्शकों पर गहरा असर नहीं छोड़ सके। आगे चलकर सपोर्टिंग रोल में दिखे- जब सैफ अली खान को रोमांटिक फिल्मों में सफलता नहीं मिली तो वह सेकेंड हीरो, सपोर्टिंग रोल करने लगे। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' में अभिनय करते नजर आए। इस फिल्म में बॉक्स ऑफि पर जमकर कमाई की और सैफ के करियर ग्राफ को भी नीचे जाने से बचा लिया। आगे भी वह 'कच्चे धागे', 'हम साथ साथ हैं', 'क्या कहना', 'दिल चाहता है' और 'कल हो ना हो' जैसी चर्चित फिल्मों में सपोर्टिंग एक्टर के रोल में ही नजर आए।

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक की तारीफ की

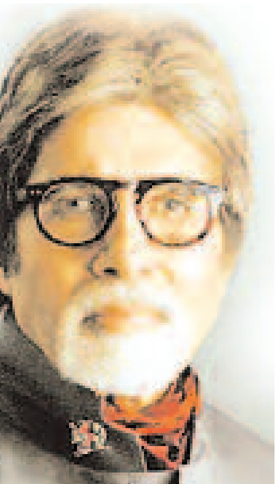

अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ की है और उनके लिए एक लंबा नोट लिखा है। अमिताभ ने अभिषेक की इसलिए तारीफ की है क्योंकि उन्होंने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में फिल्म आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीता है। ऐसे में अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अभिषेक की तारीफ की

अमिताभ ने की अभिषेक की तारीफ

अमिताभ बच्चन ने खुद को दुनिया का सबसे खुश पिता बताया। उन्होंने एक मैगजीन के कवर पेज पर अभिषेक बच्चन की तस्वीर भी शेयर की। अभिषेक की तस्वीर शेयर करते हुए अमिताभ ने लिखा मैं पूरे ब्रह्मांड में सबसे खुश पिता हूं। अभिषेक, आप परिवार का गौरव और सम्मान हैं।

अभिषेक ने मेलबर्न में अवॉर्ड जीता

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा आप उस झंडे को फहराते हैं जिसे दादाजी ने स्थापित किया था, और इसे बहादुरी और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ाया है। इसमें समय लगा, लेकिन आपने हार नहीं मानी। आपने अपनी योग्यता के आधार पर दुनिया को दिखाया है। आपको मेलबर्न में पहला कलाकार घोषित किया गया है। एक पिता के लिए इससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता।

अमिताभ ने अभिषेक का हौसला बढ़ाया

अमिताभ ने आगे कहा कुछ साल पहले मैं आपकी एक उत्कृष्ट फिल्म और आपके अभिनय को लेकर बेहद उत्साहित था। इस पर कुछ लोगों ने मेरा और मेरे दिखावे का मजाक उड़ाया था। लोग मुझ पर हंसे थे। उस तिरस्कार भरी हंसी को तालियों और प्रशंसा ने दबा दिया है। अमिताभ ने लिखा जीतना कई बंधनों और जंजीरों का अंतिम जवाब है..! जीत की कीमत बहुत अधिक है। अभिषेक, आपने यह साबित कर दिया है।

इस खास शख्स के बिना अधूरी हैं टीना दत्ता

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर फैसला सुनाया था, जिसके बाद से डॉग लवर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। इसी कड़ी में टीवी अभिनेत्री टीना दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपने पेट डॉग संग दिख रही हैं। साझा की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस व्हाइट कलर की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस हाथ जोड़े हुए दिख रही हैं और जमीन पर उनका डॉग लेटा हुआ है। तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने डॉग के लिए कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, 'तुम हो तो सब कुछ अच्छा है, तुम हो तो मेरी दुनिया हसीन है, तुम हो तो मैं हूं, तुम हो तो सब अच्छा लगता है।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'तुम मेरी पूरी दुनिया हो, तुम बिना शर्त प्यार सिखाते हो, तुम कितने सुंदर हो, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।' टीना दत्ता इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके 4.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

300 से ज्यादा लड़कियों को पछाड़

निधि अग्रवाल बनीं टाइगर श्रॉफ की हीरोइन

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की चमक-दमक भरी दुनिया में हर साल हजारों नए चेहरों की भरमार होती है, पर इनमें से सिर्फ कुछ ही लोग अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना पाते हैं। इन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री निधि अग्रवाल, जिनका सफर एक छोटे शहर की लड़की से बड़े स्क्रीन की चमकदार हीरोइन बनने तक बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने 2017 में रिलीज हुई फिल्म मुन्ना माइकल के जरिए फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, लेकिन इस डेब्यू के पीछे की कहानी जितनी फिल्मी लगती है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है, क्योंकि निधि को इस रोल के लिए 300 से ज्यादा लड़कियों के बीच से चुना गया था। निधि का जन्म 17 अगस्त 1993 को हैदराबाद में हुआ, लेकिन उनका बचपन बेंगलुरु में गुजरा। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पली-बढ़ी निधि ने बेंगलुरु के विद्याशिल्प अकादमी से अपनी पढ़ाई की शुरुआत की और बाद में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की। बचपन से ही उनकी रुचि डांस में थी। बैले से लेकर कथक और बेली डांस तक, निधि ने हर स्टेप को बड़ी मेहनत और लगन से सीखा। ये डांस का हुनर बाद में उनके अभिनय में जान डालता गया। फिल्मी दुनिया में कदम रखना आसान नहीं होता। निधि के लिए भी ऐसा था। लेकिन जब 2016 में निर्देशक सब्बीर खान और निर्माता विक्की राजानी ने फिल्म मुन्ना माइकल के लिए हीरोइन की तलाश शुरू की, तो देशभर से 300 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया। हर लड़की में कुछ खास था, पर निधि की चमक अलग थी। उनकी आत्मविश्वास भरी आंखें, डांस की सहजता और अभिनय की क्षमता ने उन्हें सबमें सबसे अलग और खास बना दिया। कहा जाता है कि वह फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ की भी पसंद थीं। 2017 में वह मुन्ना माइकल में टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाती हुई नजर आई। यह फिल्म जब रिलीज हुई, तो निधि ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार भी हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू के बीच भी निधि की एक्टिंग और डांस ने लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस बेहतरीन डेब्यू के लिए जी सिने अवॉर्ड में उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यूटेंट का अवॉर्ड भी मिला, जिसने उनके करियर की शुरुआत को और भी मजबूत बनाया।

रियल लाइफ हीरो सोनू सूद ने वायरल वीडियो के बाद बिहार के दो भाइयों की पढ़ाई की ज़िम्मेदारी उठाई

अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद का दिल जीतने वाला काम कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार उनकी एक भावुक पहल हर किसी के दिलों को छू रहा है। बिहार के दरभंगा से एक मार्मिक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दो छोटे भाई एक साइकिल पर दिखते हैं बड़ा भाई साइकिल चला रहा है और छोटा भाई पीछे बैठा गर्व से तिरंगा थामे हुए है। पिता के निधन के बाद भी बड़ा भाई हिम्मत से पैडल मारता दिखता है। यह वीडियो सोनू सूद को अंदर तक छू गया। उन्होंने तुरंत आगे आकर इन दोनों बच्चों की शिक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी लेने की घोषणा की। अपने वादे को साझा करते हुए सोनू सूद ने कहा-सोमवार से दोनों भाई स्कूल जाएंगे। मैं नंबर भेज रहा हूं। अपना स्कूल बैग पैक कर लीजिए। जब इन बच्चों की कहानी पूछी गई, तो बड़े भाई ने बताया कि पिता के गुजर जाने के बाद उनकी मां मुंबई में घरेलू काम करती हैं और बड़ी बहन घर संभालती है। परिवार चलाने के लिए उसे खुद स्कूल छोड़कर टोपी बनाने की फैक्ट्री में काम करना पड़ा। लेकिन उसने ठान लिया है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, अपने छोटे भाई की पढ़ाई नहीं रुकने देगा। सोनू सूद की यह रियल लाइफ हीरो वाली छवि उन्हें देश के सबसे प्रिय लोगों में से एक बना चुकी है। महामारी के समय से ही वे ज़रूरतमंदों के साथ खड़े रहे हैं- चाहे वह प्रवासी मज़दूरों की मदद हो या गरीब बच्चों की शिक्षा। उनकी यह नई पहल एक बार फिर साबित करती है कि वे न सिर्फ़ पर्दे पर बल्कि असल ज़िंदगी में भी एक सच्चे हीरो हैं -एक ऐसा इंसान जिसकी करुणा उसके अभिनय से कहीं ज़्यादा प्रभावशाली है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आई मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है।

मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

साभार एजेंसी